जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी, शनिवार 14 मई, 2022

इतिहास में पहली बार

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया वाली 5BHK कोठी सिर्फ 75 लाख में !

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

परिवार ही जिनकी पहचान है

NEAR MPS, PRATAP NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com
www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सज्जनों की रीति यह है कि कोई अगर उनसे कुछ मांगे तो वे मुख से कुछ न कहकर, काम पूरा करके ही उत्तर देते हैं। –कालिदास

देश एवं प्रदेशों में पेंशन बचाओ आंदोलनों की अपरिहार्यता

राजकीय एवं अन्य पेंशन धारकों को पेंशन मिलना अति आवश्यक है, यह उनके सेवानिवृत पश्चात् एक सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह का सबसे बिश्वसनीय साधन होता है। रिटायरमेंट के पश्चात् कर्मी को पता नहीं कितने दिन जीवित रहना है और कितने दिन उसकी पत्नी को? ऐसी असाधारण परिस्तिथि में पूर्व की सरकारों ने अपने कर्मी को पेंशन देने का प्रावधान किया, यह सिलसीला ब्रिटिश हुकूमत में तो था ही, संभवत: उससे पहले मुग़ल कल में भी प्रचिलित हो? पेंशनकर्मी को उसके द्वारा दी गयी सेवाओं में योगदान के फलस्वरूप अर्जित विकास (भौतिक, सामाजिक, व् विद्या प्रचार व् प्रसार आदि) के एवज में दी जाती है।

30 से 35 वर्ष के कार्य काल का आंकलन सांख्यकीय मापदंडों से करना दुष्कर है अत: सरकारों ने पेंशन निर्धारण के लिए काफी विचार और मंथन करके कुछ नियम निर्धारित किये जिनमे समय-समय पर स्तिथि के अनुसार सुधारकर बदलाव भी किया जाता रहा। मोटे तौर पर वर्तमान में कर्मी को संतोषजनक सेवा के उपरांत आखिरी वेतन का आधा अंश (5 0 प्रतिशत) पेंशन देय होती है सेवा काल में निर्धारित अवधि में कमी होने पर पेंशन भी अनुपातिक हिसाब से कम निर्धारित होती है, इसके ऊपर मंहगाई भत्ता नियम के अनुसार और जुड़ जाता है, इस प्रकार कर्मी को अपने शेष जीवन निर्वाह के लिए एक संतोषजनक राशि प्रतिमाह उपलब्ध होती रहती है। कर्मी की मृत्यु होने पर उसकी पत्नी को शेष जीवन में पारिवारिक पेंशन मिलने का प्रावधान किया हुआ है, जो मूल पेंशन का लगभग 30 प्रतिशत होता है। इस प्रकार सामाजिक सिक्योरिटी की दृष्टि से यह अनुकूल ही है।

एकल परिवारों के चलते यदि ये व्यवस्था न हो तो बुजुर्ग किसके आगे हाथ फैलाएं? उधार लेकर, घर का सामान बेचकर या एक-दो घर झाड़ू-बर्तन सफाई और विकट स्तिथि में भीख मांग कर जीवन काटना पड़ता है। कुछ समय पूर्व तक तो यह सब कुछ ठीक ही चल रहा था परतु 2004 से केंद्र सरकार ने नयी पेंशन योजना लागू कर दी, जिस पर कोई सम्बाद अथवा बहस नहीं हुयी, फलस्वरूप सरकार द्वारा सरसब्ज बाग़ दिखाने से नयी पेंशन योजना का उस समय कोई प्रतिरोध नहीं हुआ। जिन संस्थानों में पेंशन नहीं थी वहां कर्मी को उसके द्वारा प्रतिमाह दिया प्रोविडेंट फण्ड और उतना ही अंशदान सरकारी जुड़ता रहता था जिस पर नियमानुसार ब्याज जुड़ता रहता था और सेवा निवृति पर कर्मी को पूरा प्रोविडेंट फण्ड दे दिया जाता था। इस पद्धति में अक्सर यह होता था कि कर्मी का पूरा धन घर के किसी कार्य में खर्च हो जाता था तत्पश्चात कर्मी और उसकी पत्नी को बेबस होकर जीना पड़ता था, बच्चे बहुधा माता-पिता से किसी बहाने पैसे खर्च करवा लिया करते और सामाजिक स्तर पर कर्मी बहुत कष्ट भोग कर मरता। कई तो विवश होकर आत्महत्या कर लेते, ऐसी स्तिथि में जिस व्यक्ति ने पेंशन की योजना सर्व प्रथम ईजाद कर लागू की हमें उसका शुक्रगुज़ार होना चाहिए।

नयी पेंशन के रचना कार के सोच को दाद देनी पडेगी कि उसने सभी पेंशन धारकों की जिंदगी को मटियामेट करने की ऐसी योजना बनाई जिसका लोग उस समय आंकलन नहीं कर सके। केंद्र सरकार में ऐसे अनेक वित्त मंत्री हुए जिन्होंने बजट से लेकर अन्य योजनाएं लागू की जो बाद में निवेशकर्ताओं को ले डूबी। ऐसी एक योजना थी यू एस 64, जिसमें सरकार ने दखल देकर लोगों का कुछ धन वापिस करवाया था, मैं भी उस योजना का एक छोटा भुक्तभोगी हूँ।

नयी पेंशन के रचना कार के सोच को दाद देनी पड़ेगी कि उसने सभी पेंशन धारकों की जिंदगी को मटियामेट करने की ऐसी योजना बनाई जिसका लोग उस समय आंकलन नहीं कर सके। केंद्र सरकार में ऐसे अनेक वित्त मंत्री हुए जिन्होंने बजट से लेकर अन्य योजनाएं लागू की जो बाद में निवेशकर्ताओं को ले डूबी।

अभी चार-पांच वर्ष पहले मोदी जी ने नोट बंदी की थी, सुना गया था तब के एक विख्यात मंत्री ने दो कंटेनर जाली करेंसी नोट छपवा कर अपने वोटरों में बटवा दिए थे। मेरे पास इसका कोई सबूत नहीं है, ऐसी स्तिथि में धर पकढ़ या रेड से कुछ होना नहीं था क्योंकि जब पता चला तब तक राशि बट चुकी थी। मोदी जी संभवत: इस बात को छिपाकर आनन्-फानन में नोट बंदी कर दी। यही एक तरीका बचा था उन जाली नोटों को चलन में न आने देने का क्योंकि बाद में यह कहा गया कि रिज़र्व बैंक द्वारा जारी लगभग सभी नोट बापिस आ गए। अब वो जाली नोट बैंक में कैसे आते?

खैर, सरकार में ऐसे नाटकीय कार्य होते रहे हैं और जनता मूर्ख बनकर उसी पार्टी की सरकार को पुन: चुनती रही है। तो बात पेंशन की हो रही थी लिहाजा पुरानी पेंशन ही अभी तक सेवा निवृत कर्मिओं के लिए अनुकूल रही है और अभी है। इसमें महंगाई भत्ता आदि जुड़ते जाय तो कर्मी का जीवन संतोष से कट जाता है। राजस्थान सरकार ने पहल कर नयी पेंशन स्कीम 2004 को हटा कर पुरानी पेंशन स्कीम पिछले बजट में पास करा कर फिर से लागू कर दी। इसमें अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि 2004 और इस वर्ष घोषणा की तिथि की अवधि में पुरानी पेंशन लागू होगी अथवा नहीं? कुछ भी हो मुख्यमंत्री ने जो सदा सहता दिखाई है इस अवधि का भी वे कोई तोड़ निकाल इसे हल कर देंगे।

राज्य सरकार कई प्रकार की पेंशन लोगों को देती है परतु अभी उनमे विषमता विध्यमान है जैसे विश्वविद्यालयों के कर्मिओं को नियमित पेंशन न देना.... इसमें कुछ विश्वविद्यालय छात्रों की अधिक संख्या के कारण कर्मिओं को पेंशन देने में सक्षम हो सकते हैं लेकिन कुछ ही वर्षों में वे भी पेंशन देने में सक्षम नहीं होंगे। प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालय पेंशन की अनियमिता और अनिश्चितता से परेशान हैं। लगभग 12 वर्ष से कर्मी न्यायलय की शरण में जाकर कुछ राहत पा लेते हैं, अभी तक 13 माह की पेंशन फिर बाकी हो गयी जो नहीं दी गयी है। न्यायालय ने दखल देकर 22 माह की बाकी पेंशन घटवा कर 10 माह जनवरी 2022 में करवा दी थी जो अब फिर बढ़ कर 13 माह हो गयी, कब तक पेंशनर्स कोर्ट के फेरे लगाते रहेंगे?

मुख्य मंत्री जी का कहना है कि यदि सरकार इनको पेंशन देगी तो अन्य लोग भी डिमांड करेंगे। ये केसा कथन है? दूसरे कौन? निश्चित रूप से वे पाकिस्तानी नहीं होंगे और यदि देश के नागरिक डिमांड करते हैं तो उनकी समस्या भी सरकार को ही सुलझानी पडेगी। उत्तर प्रदेश राज्य अपने सभी सेवा निवृत कर्मिओं को पेंशन दो दशक से अधिक सालों से प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय तक और वो भी सरकारी कोषालय से और सरकारी कर्मिओं की पेंशन समान सभी सरकारी और प्राइवेट विद्यालओं, विश्वविद्यालयों के कर्मिओं को दे रही है, वहां पेंशन धारकों की संख्या अपेक्षाकृत राजस्थान से कई गुना अधिक है। वहां किसी प्रकार का कोई विवाद आज तक नहीं सुना गया।

मुख्य मंत्री यदि विवेक से सोचे तो उनके एक निर्णय से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालओं की पेंशन समस्या सुलझ सकती है। वे स्वयं कई प्रकार की वित्तीय सहायता/पेंशन लोगों को देते हैं, जिनका खुलासा करना यहाँ उचित नहीं। कृषि विश्विद्यालयों का स्थापना खर्च सरकार ने स्वयं बढ़ाया जो प्रतिवर्ष 10 से 12 करोड़ बैठता है। एक कृषि विश्व विद्यालय उत्तर में बीकानेर था दक्षिण में 1999 में उदयपुर ने बन गया, फिर जोधपुर, जोबनेर और कोटा में तीन और कृषि विश्वविद्यालय स्थापित कर संख्या पांच कर दी। इनका औचित्य क्या था? समझ से परे है। उदयपुर के समान यदि बाकि तीनो के लिए सम्बाद भी करवाते तो हो सकता था एक केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय बन जाता, और सरकार अनेकों खर्चों से बच जाती। लेकिन जब बात वोट बैंक की हो तो उस स्तिथि में लेख में कोई बात लिखना करना उचित नहीं मानता।

पेंशन पेमेंट के लिए एक संस्था गठित की जावे जिसमे केंद्र, प्रदेश व अन्य अपनी साझेदारी से उसमे अंशदान कर फण्ड निर्मित कर उससे सभी को पेंशन समान रूप से समान नियमों के तहत दी जा सके। सरकार से यह जिम्मेदारी अलग होनी चाहिए, भले ही सरकारी तंत्र से संचालित हो। अभी भी समय है प्रदेश का एक कृषि विश्वविद्यालय केंद्र के अधीन कर दिया जावे इसी प्रकार अन्य विषयों के विश्वविद्यालय भी यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन, सी एस आई आर केन्द्रीय उपक्रमों को सौंप कर वित्तीय भार से कुछ निजात पाई जा सकती है। कृषि विश्व विद्यालय से सम्बंधित और भी ऐसे सुझाव हो सकते हैं जिनसे वित्तीय भार कम किया जा सके। इन सबके बावजूद पेंशन पर सम्बाद/आंदोलन होते रहने चाहिए लेकिन ऐसे आंदोलन रचनात्मक हों और सरकार से तालमेल रख ही निर्णय होकर लागू हों किसी कवि ने कहा है **''जेते पैर पसारिये जित्ती लम्बी सौर''**। सरकार अपने खर्चे भी कम करके पेंशन फण्ड में योगदान कर सकती है, वर्तमान स्तिथिओं में भी में ऐसे कई सुझाव दे सकता हूँ जिससे चार-पांच करोड़ की बचत हो सकती है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर)

अब कांग्रेस में पैराशूट से नहीं उतरेंगे नेता, पार्टी में पांच साल काम करने वालों को ही टिकट मिलेगा : अजय माकन

उदयपुर, (का.स.)। झीलों की नगरी में शुक्रवार से कांग्रेस के नवसंकल्प चिंतन शिविर का आगाज हो चुका है। गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्यों के साथ तमाम कांग्रेस के नेता उदयपुर पहुंच चुके हैं।

उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर में कांग्रेस महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अजय माकन ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

- **कांग्रेस का इंटरनल पब्लिक इनसाइड डिपार्टमेंट होगा जिसमें लोग जनता के बीच से फीडबैक लेंगे।**
- **कांग्रेस पार्टी के ढांचे में अब बूथ लेवल से लेकर ऊपर तक बदलाव किया जा रहा है**

शिविर के पहले दिन शुक्रवार को कांग्रेस के महासचिव व राजस्थान प्रभारी अजय माकन ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी के ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन होने जा रहा है। उन्होंने एक परिवार एक टिकट के फार्मूले के जवाब में कहा कि यह बात तय है। किसी भी नेता का रिश्तेदार, बेटा या बेटी को टिकट तभी मिलेगा जब वह पांच साल पार्टी में काम करेगा। यानी पैराशूट से कोई नेता नहीं उतारा जाएगा।

होटल अरावली ताज में कांग्रेस नेता अजय माकन ने बताया कि संगठन को लेकर बने कांग्रेस के पैनल ने पार्टी में आमूलचूल परिवर्तन के लिए सुझाव दिए हैं। उन पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी के ढांचे में अब तक वही पद चले आ रहे थे जो सालों पहले थे। लेकिन अब उसमें बूथ लेवल से लेकर ऊपर तक बदलाव किया जा रहा है। कुछ चीजें हमारे संविधान में पहले से थी, लेकिन उनको अमल में नहीं लाया जा सका।

उन्होंने कहा कि भाजपा की तरह ही अब कांग्रेस में भी मंडलों का गठन किया जाएगा। हर पंद्रह बीस बूथों पर एक मंडल होगा। तीन से चार मंडलों पर एक ब्लॉक का गठन किया जाएगा। इसके गठन के लिए भी एक प्रक्रिया अपनाई जाएगी। माकन ने बताया कि अक्सर चुनाव के समय ही हम कुछ प्राइवेट एजेंसी से सर्वे करवाते रहे हैं। लेकिन अब तय किया गया है कि कांग्रेस का इंटरनल पब्लिक इनसाइड डिपार्टमेंट होगा। इस डिपार्टमेंट में शामिल लोग लगातार जनता के बीच फीडबैक लेंगे। उन जनता किन मुद्दों पर क्या चर्चा कर रही है। माकन ने बताया कि यह बात भी सामने आई है कि जो कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं, उनको रिवार्ड नहीं दिया जाता है और जो काम नहीं कर रहे हैं या खराब काम कर रहे हैं, उन्हें सजा नहीं मिलती है। इसको लेकर कांग्रेस में असेस्टमेंट विंग बनाने का सुझाव है। यह विंग तय करेगी कि कौन कार्यकर्ता बेहतर काम कर रहा है और उसका क्या रिवॉर्ड देना चाहिए? जो लोग खराब काम या पार्टी के विरोध में काम करेंगे, उन्हें सजा का प्रावधान किया जाएगा। कांग्रेस के नेता माकन ने कहा कि हम पार्टी में अनुशासन को और मजबूत करेंगे। इसके लिए हर स्तर पर अनुशासन कमेटी बनेगी। शिविर में इस पर चर्चा की जाएगी।

माकन ने बताया कि चिंतन शिविर में जो कमेटियां गठित की गई है, उनमें पचास प्रतिशत लोग 50 साल से कम उम्र के हैं। आगे भी इसको लागू रखा जाएगा कोई भी व्यक्ति पांच साल से अधिक किसी एक पद पर नहीं रह सकेगा। इन पदाधिकारियों को अपनी परफार्मेंस देनी होगी। अच्छा काम नहीं करने पर उन्हें तीन साल तक पद से मुक्त रखा जाएगा। पार्टी में काम करने पर आगे मौका दिया जाएगा। यही हमारे नवसंकल्प होंगे।

सांभर के वार्ड 22 में चार पेयजल लाइन होने के बाद भी पानी को तरसते लोग

सांभरझील, (निसं)। यहां के वार्ड-22 में जलदाय विभाग की कई दशकों पुरानी चार पेयजल लाईन बिछी होने के बावजूद चारभुजा गली के बांशिदों को एक एक बूंद पानी के लिये मशक्कत करनी पड़ रही है लेकिन लोगों व पार्षद की ओर से कई दफा शिकायत किये जाने के बावजूद स्थानीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अभियन्ताओं की ओर से इस ज्वलन्त समस्या को हल्के में लिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यहां उपभोक्ताओं को खुद की आवश्यकता की पूर्ति के लिये निजी टेंकर मंगवाये जाने के अलावा दूसरा कोई विकल्प ही नहीं बचा है।

- **लोगों को हर माह निजी टेंकरों और जलदाय विभाग के बिलों का भुगतान भी करना पड़ रहा है**
- **नयी पेयजल लाईन बिछाने का काम दलगत राजनिती के चलते अमल में नहीं आ सका**

जबकि यहां के उपभोक्ताओं से जलदाय विभाग पानी के बिल की पूरी राशि वसूल कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी कोर्ट के पास पानी इतना कम प्रेशर से लोगों के घरों में पहुंच रहा है कि रोजमर्रा की जिंदगी के लिये वह पर्याप्त नहीं बताया जा रहा है, महज बीस मिनट की पेयजल सप्लाई ही होना बताया जा रहा है, जबकि विभाग उपभोक्ताओं से औसत के आधार पर बिल राशि वसूल कर विभाग उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन कर रहा है। यहां के लोगों से बात करने पर बताया गया कि माह में कम से कम दो टेंकर पानी के मंगवाने ही पड़ते हैं, लेकिन उन लोगों को अधिक मुश्किल हो रही है जिनकें घरों में पानी स्टोर करने के लिये या तो होद नहीं है या जगह के अभाव में बहुत ही छोटे है। एक दफा यहां पर पुरानी कोर्ट के पास ऊंचाई वाले स्थान पर पेयजल टंकी बनवाकर नयी पेयजल लाईन बिछाने का लोगों को करीब तीन चार साल पहले ख्वाब दिखाया गया था, लेकिन दलगत राजनीती के चलते न तो इस योजना पर विभाग अमल कर सका और न ही सरकारी कारिंदों ने इस दिशा में कोई रूचि दिखायी।

यहां की कांग्रेस पार्षद ज्योति कुमावत से बात करने पर बताया गया कि उनकी तरफ से विभाग को एक से अधिक पत्र लिखे जा चुके हैं, विभाग की ओर से कोई सुनवायी नहीं की गयी है तो अब जलदाय मंत्री को लिखा गया है, यहां के लोगों को आज भी उम्मीद बनी हुयी है कि सरकार इस दिशा में कोई न कोई समाधान जरूर निकालेगी।

डॉ. महेन्द्र भानावत को मारवाड़ रत्न सम्मान

उदयपुर, (कासं)। लोककला संस्कृतिविज्ञ डॉ. महेन्द्र भानावत को जोधपुर स्थापना दिवस पर गुरूवार को गजसिंह द्वारा मारवाड रत्न कोमल कोठारी सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर का इक्यावन हजार का यह सम्मान डॉ. भानावत को उनके द्वारा विभिन्न प्रान्तों की कलाधर्मी जातियों, लोकानुरंजनकारी प्रवृत्तियों, जनजातीय सरोकारों तथा कठपुतली, पड, कावड जैसी विधाओं पर खोजपूर्ण लेखन एवं शोध के उन्नयन में दीर्घकालीन उच्चस्तरीय योगदान के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया।

संस्कृतिविज्ञ डॉ. महेन्द्र भानावत को गजसिंह ने मारवाड रत्न कमल कोठरी सम्मान प्रदान किया।

समारोह के दौरान गजसिंह ने पूर्व काल तथा आजादी के बाद जनसेवा के उल्लेखनीय योगदान का जिक्र करते हुए मेहरानगढ म्युजियम ट्रस्ट द्वारा अगले वर्ष से राजाराम मेघवाल पुरस्कार देने की भी घोषणा की। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. संजीव मिश्रा ने कहा कि मेहरानगढ के सूरजवंशी सूर्यनगरी जोधपुर ने रक्त की बजाय शकुन दिया है। मुख्य अतिथि सव्यसांची मुखर्जी ने जोधपुरी भाषा, संस्कृति तथा परम्परा को देश की संस्कृति की पहचान कहा। सम्मान समिति के प्रो. जहूर खां मेहर ने कहा कि देश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जो महानुभाव अपने कर्त्तव्य की साधना और पुरुषार्थ में लगे हुए हैं उनकी पहचान कर उनके स्मरणीय योगदान का सम्मान अन्यों को भी प्रेरणा और शकुन देता है।

देश की जनता का ध्रुवीकरण कर भाजपा जनता को भय व चिंता में रहने को मजबूर कर रही है : सोनिया गांधी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतन शिविर' का आगाज शुक्रवार को कांग्रेस राष्ट्रीध्यक्ष सोनिया गांधी की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सोनिया गांधी ने कहा कि यहां जो हमारा चिंतन शिविर हो रहा है, उसका प्रसंग है 'नव संकल्प'। यह हम सबको एक अवसर देता है, जहां हम सब विचार-विमर्श करें उन तमाम चुनौतियों पर जो भाजपा की नीतियों और आरएसएस से जुड़ी संस्थाओं की गतिविधियों के चलते, आज देश के सामने है। हम विमर्श करें अपने आगे के रास्ते पर। यह एक तरह से न केवल राष्ट्रीय मुद्दों पर एक चिंतन है, बल्कि एक आत्म-चिंतन भी है।

कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतन शिविर' को राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सम्बोधित किया।

- **उदयपुर में कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतन शिविर' का राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की उपस्थिति में आगाज**

उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं, हमारे साथी यहां आना चाहते थे। इस चिंतन शिविर में भाग लेने चाहते थे लेकिन कई कारणों से हमें संख्या को सीमित रखना पड़ा। मुझे पूरा भरोसा है कि वे इस बात को समझेंगे । संगठन को मजबूत बनाने में उनका योगदान किसी से भी कम नहीं है।

सोनिया गांधी ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार देश में निरंतर ध्रुवीकरण कर लोगों को चिंता, भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर कर रही है। अल्पसंख्यक जो हमारे गणतंत्र के बराबर के नागरिक हैं, जो हमारे समाज के अटूट अंग है, उन्हें जान-बूझकर निशाना बनाना और उन पर क्रूरता से हमला करना, समाज में युगों से चली आ रही विविधता का दुरूपयोग करके उसे बांटना और समाज में बड़ी सावधानी से पालन-पोषण किए गये अनेकता में एकता के सिद्धांत को तबाह करना, अपने राजनीतिक विरोधियों को डराना-धमकाना , उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना, उन्हें झूठे बहानों से जेल में डालना और उनके खिलाफ जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करना, तमाम लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ खिलवाड़ करना, इतिहास के नाम पर थोक में झूठ परोसना और हमारे महान नेताओं विशेष तौर पर जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना, उनके योगदान, उपलब्धियों और बलिदानों को एक सोची समझी रणनीति के तहत नीचा दिखाना या उनका खंडन करना, महात्मा गांधी के हत्यारों और उनके वैचारिक पथ प्रदर्शकों का महिमा मंडल करना, देश के संविधान के सिद्धांतों, आदर्शों और उसके चार स्तम्भ- न्याय, स्वतंत्रता, समानता व भाईचारे का खुलकर उल्लंघन करना आदि शामिल है।

सोनिया ने कहा कि हर संगठन की तरह हमें सुधारों की सख्त जरूरत है : रणनीति में बदलाव, ढांचागत सुधार और रोजाना काम करने के तरीके में परिवर्तन। एक तरह से यह सबसे बुनियादी मुद्दा है लेकिन मैं यह भी जोर देकर कहना चाहती हूं कि हमारा पुनरूत्थान सिर्फ एक विशाल सामूहिक प्रयासों से ही हो पाएगा और वो विशाल सामूहिक प्रयास न टाले जा सकते है न ही टाले जाएंगे।

सोनिया गांधी ने अपने संबोधन में सभी से आग्रह किया कि वे अपने विचारों को खुलकर रखें मगर, बाहर सिर्फ संगठन की मजबूती, दृढ निश्चय और एकता का संदेश ही जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल में मिली नाकामबियों से हम बेखबर नहीं है। न ही हम बेखबर है उस संघर्ष से या उस संघर्ष की कठिनाइयों से, जिसे हमें करना है और जीतना है। लोगों की हमसे जो उम्मीदें है, उनसे हम अनजान नहीं है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 14 मई, 2022

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, चित्रा नक्षत्र सांय 5:28 तक, सिद्धि योग दिन 12:58 तक, तैतिल करण दिन 3:23 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 6:12 पर तुला राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:28 से सूर्योदय तक है। रवियोग सांय 5:20 से आरम्भ होगा। आज ज्येष्ठा संक्रान्ति, सूर्य का वृष में प्रवेश रविवार प्रात: 5:30 से होगा। पूण्यकाल रविवार को है। आज श्री नृसिंह जयन्ती और व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:24 से 9:03 तक, चर 12:23 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 5:23 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिचितों चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में आपसी सहयोग बढ़ेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों से मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक

धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन प्राप्त होगा।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों यात्रा टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 192 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 14 मई, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने सोनिया गांधी का उदयपुर हवाई अड्डे पर स्वागत किया तथा उन्हें खादी के धागों से बनी तिरंगी माला भेंट की।

'पार्टी का कर्ज उतारने का समय आ गया है'

सोनिया गांधी ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में कही अपनी बात दोहराई, चिंतन शिविर के अध्यक्षीय भाषण में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। अशोक गहलोत जैसे नेताओं को निशाना बनाकर कटु प्रहार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि पार्टी के लिए त्याग करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हम में से बहुतों को काफी कुछ दिया है और अब "पार्टी का कर्ज उतारने का" समय आ गया है।

उन्होंने कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) में ऐसा ही बयान दिया था और अब उदयपुर के चिन्तन शिविर में अपने उद्घाटन भाषण में उसे दोहराया है।

प्रश्न यह किया जा रहा है कि वे अशोक गहलोत को कब सीधे शब्दों में यह कहेंगी कि वे इस्तीफा दें और राज्य में एक नया नेतृत्व आने दें, जहां दिसम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

- चर्चा इस बात की है चिंतन शिविर में कि, नये नेतृत्व को सत्ता में लाने के लिये क्या वे सीधे अपनी बात कहेंगी गहलोत को।
- जैसा कि विदित है, दिसम्बर 2023 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं और अगर राजस्थान में कांग्रेस को नेतृत्व परिवर्तन करना है तो, अभी ही करना होगा अन्यथा बहुत देर हो जायेगी।
- सोनिया गांधी के भाषण में पुराने वरिष्ट नेताओं के लिये एक संदेश यह भी था कि, राज्यसभा सीट के लिये दबाव न बनायें, क्योंकि, नये नेतृत्व को मौका देना है।
- 15 मई को शिविर के समापन दिवस पर राहुल गांधी वह "रोड-मैप" उजागर करेंगे, जिससे पार्टी 2024 के चुनाव में भाजपा का सामना करने के लिये "फिट और फाइन" हो सके।

यह पार्टी के सीनियर नेताओं पर भी एक तरह का दबाव है कि वे राज्यसभा सीट की मांग न रखें, क्योंकि पार्टी नया नेतृत्व तैयार करना चाहती है। यह संकेत दिया जा रहा है कि उन्हें संगठन के लिए काम करना चाहिए।

इसके साथ ही सोनिया गांधी ने यह भी दृढ़तापूर्वक कहा कि कांग्रेस के इतिहास में कुछ अहम निर्णय लेने, बदलाव करने व सुधार करने का वक्त आ गया है और इस प्रक्रिया को अब स्थगित नहीं किया जा सकता तथा इसे किसी भी कीमत पर स्थगित नहीं किया जाना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में सोनिया गांधी ने ऐसे ही बयान दिए हैं, लेकिन उन्होंने कई कमेटियों की रिपोर्ट्स में की गई प्रमुख सिफारिशों में से किसी को भी पिछले कुछ से लागू नहीं किया है। उन्हें एक यथा-स्थिति रखने वाली आई.एस.एफ. के रूप में जाना जाता है तथा उन्हें किसी भी तरह का बदलाव करना पसन्द नहीं है। लेकिन इस शिविर में किए गए बयानों पर वे अमल करती हैं या नहीं यह अटकलबाजी का एक अन्य विषय है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल दूसरे रूट से पहुंचे

गंगापुर सिटी, 13 मई (निस)। राहुल गांधी को मेवाड़ से गंगापुर सिटी होकर उदयपुर जाना था लेकिन वो दूसरे रूट से उदयपुर चले गए इसलिए गंगापुर सिटी रेल्वे स्टेशन पर राहुल गांधी तथा दूसरे वरिष्ठ नेताओं का स्वागत करने के लिए पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मायूस होकर वापिस लौटना पड़ा।

- पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें गंगापुर सिटी होते हुए उदयपुर जाना था।

राहुल गांधी मेवाड़ एक्सप्रेस ट्रेन से गंगापुर सिटी होते हुए उदयपुर जाने वाले थे। उनके साथ कई अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। इन सबका स्वागत के लिए

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कमेटी की सिफारिशें मानीं, तो कांग्रेस में आमूलचूल परिवर्तन तय

एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट, लेकिन बचाव की गली यह कि, यदि दूसरा सदस्य भी सक्रिय है, तो लड़ सकता है चुनाव

उदयपुर, 13 मई (का.प्र.)। एक के बाद एक लगातार कई प्रदेशों में चुनावी हार के बाद लगता है कांग्रेस अंदर तक हिली हुई है। यही कारण है कि बहुत लंबे समय बाद कांग्रेस को अपने क्रियाकलाप और रणनीतिक गलतियों पर चिंतन करने की आवश्यकता महसूस हुई है। राजस्थान के मेवाड़ अंचल के उदयपुर में हो रहे पार्टी के नव संकल्प शिविर के पहले दिन राजस्थान के प्रभारी और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए बनी समिति के सदस्य अजय माकन की ओर से दो बातें रखी गई हैं और यदि पार्टी उन पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़ती है तो निश्चित तौर पर कांग्रेस में बहुत बड़े बदलाव नज़र आएंगे।

संगठन में सबसे बड़े बदलाव के तौर पर जिस चर्चा को आगे बढ़ाया गया है वह यह है कि पार्टी अब एक परिवार से केवल एक ही टिकट देगी। उदयपुर में चिंतन शिविर में संगठन में बदलाव और राजनीतिक मामलों पर बने पैनल ने यह सिफारिश की है।

माकन ने इस बारे में कहा कि हमारे पैनल में यह चर्चा हुई है कि एक परिवार से एक टिकट के फार्मूला को लागू किया जाए। साथ ही यह भी चर्चा हुई है कि जिसे भी टिकट दिया जाए, उसने कम से कम 5 साल पार्टी में काम किया हो, सीधे टिकट नहीं दिया जाए। यानी कि यह लागू होता है तो नए आने वालों नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा।

- 5 साल तक एक ही पद पर रहने के बाद नहीं मिलेगा फिर मौका, 3 साल का कूलिंग पीरियड बिताकर फिर आ सकते हैं पद पर, सांसद-विधायकों पर यह नियम लागू नहीं होगा।
- ब्लॉक और बूथ लैवल के बीच अब तीन से पांच मंडल बनाने की सिफारिश, 50 प्रतिशत पद मिलेंगे 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों को।

अगर किसी नेता का बेटा या दूसरा नेता टिकट लेना चाहता है तो उसे कम से कम पांच साल संगठन में काम करना होगा। कांग्रेस में 5 साल लगातार पद पर नहीं रहने का नियम लागू होने पर आधे से ज्यादा नेता बाहर हो सकते हैं। नेताओं के बेटों को भी पांच साल पार्टी में काम करने के बाद ही टिकट मिलेगा। जब माकन से गांधी परिवार पर यह प्रावधान लागू होने के बारे में पूछा तो कहा कि यह सवाल गांधी परिवार का नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव संगठन चुनाव की प्रक्रिया से होगा और वैसे भी चिंतन शिविर से कांग्रेस अध्यक्ष के चयन का कोई संबंध नहीं है। दरअसल इस नियम में एक गली उन परिवारों के लिए छोड़ दी गई है जिन परिवारों का लंबे समय से कांग्रेस में दबदबा कायम है और जिन परिवारों के दो या तीन लोग लगातार पदों पर काबिज बने हुए हैं। इसी के साथ संगठन स्तर के ग्रुप में इस बात की चर्चा हुई है कि संगठन स्तर पर अब 50 प्रतिशत पद सिर्फ उन युवाओं को दिए जाएं, जिनकी उम्र 50 वर्ष से कम हो, क्योंकि युवा 35 वर्ष तक कांग्रेस में कार्य कर सकते है, लेकिन 35 से 50 वर्ष के जो लोग सक्रिय होते हैं, उन्हें अन्य जगह समायोजित किया जा सके।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में आग, 26 मरे

नई दिल्ली, 13 मई। दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास शुक्रवार शाम एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़

- मुंडका मैट्रो स्टेशन के पास एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगने से 26 की मौत हो गई और 12 गंभीर रूप से घायल हो गए।

सकती है क्योंकि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसे पहले पुलिस ने बताया था कि इमारत से 60-70 लोगों को निकाला गया है जबकि कुछ लोग अंदर फंसे हुए हैं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

निजी आकांक्षाओं को पार्टी हित के अधीन रखना होगा!

सोनिया गांधी की मार्मिक अपील उन नेताओं के लिए, जो पद के बिना ऐसे तड़पते हैं जैसे बिना पानी के मछली

उदयपुर, 13 मई (का.प्र.)। उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर जिसे नव संकल्प शिविर का नाम दिया गया है, में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी को एक मंच पर एक साथ दिखाने का प्रयास किया है। नतीजा यह रहा कि जो नेता जी-23 के नाम से जाने जाते रहे हैं, को पहली पंक्ति में और वह भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित प्रियंका गांधी के साथ स्थान दिया गया था। इन नेताओं पर कांग्रेस के युवा एवं वर्तमान में राहुल गांधी के नजदीकी नेताओं की तीखी नजर है। मतलब साफ है कि ऐसा करके पार्टी एकता का संदेश देना चाहती है।

दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया

(शेष पृष्ठ 5 पर)

यू.ए.ई. के राष्ट्रपति का निधन

अबु धाबी, 13 मई। संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) के राष्ट्रपति एवं अबू धाबी के शासक शेख खलीफा बिन जायद अल नाह्यान का शुक्रवार को 73 साल की आयु में निधन हो गया। वही पिछले कुछ समय से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था। राष्ट्रपति से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने शेख खलीफा के निधन की पुष्टि की है। शेख खलीफा दुनिया के सबसे अमीर शासकों में शामिल थे और उनकी संपत्ति लाखों करोड़ रुपये बताई जाती है।

- राष्ट्रपति शेख खलीफा की गिनती दुनिया के सबसे अमीर हस्तियों में होती है, वे 73 वर्ष के थे।

शेख खलीफा 3 नवंबर 2004 से संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नीट पी.जी. परीक्षा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी-2022-23 परीक्षा को स्थगित करने के लिए दायर एक याचिका को निरस्त करते हुए शुक्रवार को व्यवस्था दी कि रोगी की सार-संभाल और उपचार सर्वोपरि है। नीट

- नीट पी.जी. परीक्षा निर्धारित तिथि 21 मई को ही होगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा सरकाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जिस होटल में चिंतन शिविर, वही नदी के बहाव क्षेत्र में अवैध रूप से बना: किरोड़ी

होटल मालिक से गहलोत परिवार के आर्थिक संबंध, कानूनों को ताक में रखकर हुआ निर्माण

जयपुर, 13 मई (का.सं.)। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता कर एक बार फिर सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। किरोड़ी ने आरोप लगाया है कि गहलोत परिवार से होटल मालिक के आर्थिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और कांग्रेस अगर गरीब आदिवासियों की सच्ची सेवक है तो इस होटल में चिंतन शिविर का कार्यक्रम तुरन्त बन्द कर अन्यत्र करें। यह अवैध होटल आदिवासियों की जमीन हड़प कर बनाई है।

उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया कि मुम्बई की एक कम्पनी ईशान क्लब एण्ड होटल ने उदयपुर में अरावली ताज नाम की विशाल होटल का निर्माण किया है। इसके मालिक राजीव आनन्द हैं। आनन्द वर्ष 2012 से होटल बनाने की कोशिश कर रहे थे, किन्तु जमीन पर आने-जाने का रास्ता नहीं था। इसलिए प्रोजैक्ट अटका हुआ था। वर्ष 2014 से 2017 तक होटल निर्माण की फाइल लगाई गई, किन्तु रास्ता नहीं होने के कारण यूआईटी उदयपुर ने होटल बनाने से इन्कार कर दिया।

- 2017 में जिस होटल को अनुमति नहीं मिली, कांग्रेस सरकार बनते ही अवैध निर्माण को मंजूरी।

इसके बाद वर्ष 2015 में संभागीय आयुक्त कोर्ट ने पुराने सावित नक्शे के आधार पर इस होटल के लिए 900 हैक्टेयर पगडंडीनुमा रास्ते की अनुमति दी थी। यह कानून संगत नहीं था, क्योंकि यह रास्ता अमरजोक नदी का है, जो सिसारमा नदी में मिलती है। इसका पानी पिछोला झील में जाता है। इस प्रकार संभागीय आयुक्त कार्यालय उदयपुर ने होटल व्यवसाई को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से नदी में रास्ता देकर नियम विरूद्ध आदेश पारित किया था।

इस रास्ते को लेकर गिर्वा तहसीलदार ने वर्ष 2015 में एक रिपोर्ट दी थी जिसमें कहा गया था कि यह रास्ता पगडंडीनुमा है। नदी में पानी नहीं बहने की स्थिति में गांव वाले आने जाने के लिए इसका उपयोग करते हैं। वर्ष 2017 में यूआईटी उदयपुर के सचिव रामनिवास मेहता ने भी इस होटल के भूमि रूपांतरण के लिए मना कर दिया था। बीच में नदी, वन विभाग और सरकारी भूमि होने व होटल को रास्ता नहीं मिलने के कारण निर्माण की यूआईटी की ओर से स्वीकृति दिया जाना संभव ही नहीं था।

उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से अब्दुल रहमान बनाम राज्य के प्रकरण में दिए गए निर्णय में कहा गया था कि जिस भू-भाग पर पानी बहता है, उस पर से पानी के बहाव को अवरूद्ध नहीं करना है। राजस्थान नगरीय क्षेत्र (यदि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए) आयोग के, अनुशंसा और आवंटन नियम 2012 नियम... के उपनियम-12 "भूमि जल निकायों, या डीलों, जलाशयों जलमग्नता के अधीन आने वाली भूमि को सम्मिलित करते हुए बांध और तालाब या नदी या नाले या झील इत्यादि के बहाब क्षेत्र की भूमि के कृषि भूमि से गैर कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की अनुज्ञ एवं भूमि आवंटन का निर्बन्धन है।

वर्ष 2018 में सरकार बदलने के साथ ही वर्ष 2019 में ईशान क्लब के होटल मालिक ने पुनः एक साधारण एप्लीकेशन लगाते हुए संभागीय आयुक्त कोर्ट के वर्ष 2015 के आदेश का हवाला देते हुए भूमि रूपांतरण के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सब रजिस्ट्रार कार्यालय का कनिष्ठ सहायक 1.11 लाख रू. की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एक अन्य कनिष्ठ सहायक और दलाल मौके से फरार हुए, तलाश जारी

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर की टीम ने एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर ट्रेप की कार्यवाही करते हुये जालोर सब रजिस्ट्रार कार्यालय के कनिष्ठ सहायक विक्रम सिंह को परिवादी से एक लाख ग्यारह हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. महावीरसिंह राणावत के अनुसार परिवादी जालोर के रावली ढाणी निवासी अध्यापक आनंदसिंह ने शिकायत पेश कर बताया कि उसके प्लॉट सिरे मंदिर रोड़ पर आये हुए हैं तथा उक्त प्लॉट की रजिस्ट्री करवाने के एवज में सब रजिस्ट्रार कार्यालय जालोर के कनिष्ठ सहायक विक्रमसिंह व राणाराम शर्मा ने अपने दलाल अधिवक्ता हीरालाल के माध्यम से एक लाख साठ हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जालोर एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिस पर एसीबी जोधपुर के उपमहानिरीक्षक पुलिस कैलाश चंद विश्नोई के सुपरवीजन में शिकायत का सत्यापन किया गया। सत्यापन के बाद एक लाख ग्यारह हजार रूपये देना तय हुआ। गुरूवार देर शाम करीब साढे सात बजे पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह चारण एवं उनकी टीम के साथ ट्रेप कार्यवाही करते हुये परिवादी को रिश्वत की राशि दलाल हीरालाल के माध्यम से देने के लिए सब रजिस्ट्रार कार्यालय भेजा। रिश्वत की राशि लेकर टेबल पर पुन: रखने पर विक्रम सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह जाट निवासी झुंझुनु हाल कनिष्ठ सहायक कार्यालय सब रजिस्ट्रार जालोर को परिवादी से एक लाख 11 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। वही एसीबी कार्यवाही की भनक लगते ही रिश्वत की राशि आरोपी राणाराम कनिष्ठ सहायक कार्यालय सब रजिस्ट्रार जालोर एवं दलाल हीरालाल (अधिवक्ता प्राईवेट व्यक्ति) द्वारा लेकर फरार हो गये।

एसीबी की टीम की फरार कनिष्ठ सहायक राणाराम व दलाल अधिवक्ता हीरालाल को गिरफ्तार करने के लिए उनकी तलाश जारी है। वही आरोपी से एसीबी जालोर की टीम द्वारा सघन पूछताछ की जा रही है। एसीबी जालोर के एएसपी डॉ. महावीरसिंह राणावत ने बताया कि गुरूवार देर शाम को ट्रेप की कार्यवाही की गई।

स्थाई लोक अदालतों में अध्यक्ष, सदस्य और स्टाफ के रिक्त पदों पर भर्ती बाबत सुनवाई हुई

60 दिन में शपथ पत्र पेश करने के निर्देश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश रेखा बोराणा ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को 60 दिन में शपथ पत्र पेश करने का निर्देश दिया है कि राज्य के स्थाई लोक अदालतों में अध्यक्ष,सदस्य और स्टाफ के रिक्त पदों पर भर्ती बाबत अब तक क्या कार्रवाई की है, के बाबत स्थिति स्पष्ट करें, ताकि इनमें न्यायिक कार्रवाई सुचारू हो सके। खंडपीठ ने आगामी तिथि 25 जुलाई मुकर्रर की है।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने बताया कि खंडपीठ के आदेश की पालना में आठ जगह जोधपुर महानगर,जयपुर महानगर,अजमेर, कोटा, झालावाड़, भरतपुर, पाली और बालोतरा में पूर्णकालीन अध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी जा चुकी है और सदस्यों के रिक्त पदों को भरने के वास्ते आवेदन आमंत्रित कर लिए गए हैं। इस पर प्रार्थी वासुदेव दाधीच की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि चूरू, सीकर, मेडता, धौलपुर, प्रतापगढ, हनुमानगढ और दौसा में अध्यक्ष पद की विस्तारित अवधि भी पूर्ण होने पर भी अभी तक इन पदों के लिए आवेदन आमंत्रित नहीं किए गए हैं।

जोधपुर महानगर सहित कई जगहों पर सदस्यों के पद रिक्त होने से कोरम के अभाव में न्यायिक कार्रवाई शुरू नहीं हो रही है पिछले दो सालों में नहीं के बराबर कार्य हुआ है।जोधपुर में लगभग एक हजार प्रकरण लंबित हो गए हैं । अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण स्टाफ के स्वीकृत पदों को भी पिछले पांच साल से भरने की कार्रवाई नहीं कर रहा है।

सूरसागर में संपूर्ण, सरदारपुरा में आंशिक कर्फ्यू हटाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में तीन मई को भडके उपद्रव के बाद दस थाना क्षेत्र में लागू कर्फ्यू के कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव किया गया है। कर्फ्यू में लगातार दी जा रही छूट के बीच शहर में पूर्णतया शांति बनी हुई है। नए आदेश के अनुसार सूरसागर संपूर्ण थाना क्षेत्र के अलावा सरदारपुरा के सबसे व्यस्त बाजार बी व सी रोड से कर्फ्यू के पूर्णरूप से हटा दिया गया है। वहीं सरदारपुरा के शेष क्षेत्र, प्रताप नगर सदर, शहर कोतवाली, सदर बाजार, खांडा फलसा व नागौरी गेट थाना क्षेत्र में कर्फ्यू लागू रहेगा। अब इन क्षेत्र में सिर्फ रात को दस से लेकर सुबह छह बजे तक कर्फ्यू रहेगा।

पुलिस उपायुक्त राजकुमार चौधरी की तरफ से जारी आदेश में बताया गया है कि हालात की लगातार समीक्षा करने के बाद सूरसागर संपूर्ण थाना क्षेत्र व सरदारपुरा के कुछ हिस्से से कर्फ्यू को पूर्ण रूप से हटाने का फैसला किया गया है। कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र में आवागमन के लिए पूर्व निर्धारित शर्तें लागू रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि जोधपुर शहर में अब कुछ और क्षेत्र से कर्फ्यू को हटाया गया है। अन्य थाना क्षेत्र में लागू कर्फ्यू को रात तक सीमित कर दिया गया है।

कांस्टेबल परीक्षा: पेपर पास कराने के आरोपी पकड़े

भिवाड़ी पुलिस की स्पेशल टीम ने आरोपियों को पकड़ा।

बहरोड/भिवाडी, (निसं)। भिवाड़ी जिला पुलिस थाना क्षेत्र मांढ ण में संदिग्धों की सूचना पर भिवाडी जिला पुलिस की स्पेशल टीम ने कार्यवाही करते हुए राजस्थान पुलिस की कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में 1500000 रुपए में पेपर पास करवाने का सौदा करने की जानकारी मिली थी।

भिवाडी जिला पुलिस की स्पेशल टीम ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए पुलिस भर्ती परीक्षा में अनुचित तरीके से पास कराने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से मोबाइल चैट के माध्यम से पेपर, पहचान पत्र व 1500000 रुपए में सौदा करने के चैट की जानकारी मिली है। शांतनु कुमार सिंह जिला पुलिस अधीक्षक भिवाडी के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम डीएसटी की कार्यवाही में आरोपी दीपक उर्फ गौरीशंकर पुत्र मुकेश यादव निवासी नांगल मेहता व अमित पुत्र ईश्वर सिंह निवासी कान्हावास जिला अलवर राजस्थान को गिरफ्तार किया। ये लोग बेरोजगार युवकों को झांसा देकर 15 लाख रुपए में पेपर पास कराने का सौदा कर रहे थे, पुलिस टीम ने आरोपियों को धर दबोचा।

समर्थन मूल्य पर लक्ष्य के मुकाबले कम हुई गेहूं की खरीद

श्रीगंगानगर, (निसं.)। भारतीय खाद्य निगम को कृषि में सिरमौर व कृषि बाहुल्य श्रीगंगानगर मंडल सहित राज्य भर में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद बहुत कम मिला है।श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में इस बार 13.37 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद की तुलना में 750 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है।

इसमें श्रीगंगानगर जिले में 6.65 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य था जबकि इस बार 34 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। इस बार दोनों जिलों में 750 मीट्रिक टन ही गेहूं की खरीद की गई है। इस बार राज्य में 22.32 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 756 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीद किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में एमएसपी पर एक दशक का रेकॉर्ड 12 लाख 81 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी। जबकि श्रीगंगानगर मंडल में भारतीय खाद्य निगम, राजफैड, तिलम संघ व व्यापारी वर्ग ने 13 लाख 38 हजार 581 मीट्रिक टन की गेहूं खरीद की थी। पिछले एक दशक की बात करें तो वर्ष 2010-11 में एमएसपी पर 3 लाख 53 हजार 850 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी। इसके बाद इस वर्ष 750 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी।

कोटा का भी यही हालभारतीय खाद्य निगम की राज्य भर में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की स्थिति बहुत ज्यादा चल रही है। श्रीगंगानगर मंडल के बाद कोटा राज्य का 30 प्रतिशत गेहूं की खरीद करता है जबकि इस बार कोटा में साढ़े छह मीट्रिक गेहूं की खरीद हुई है।

सड़क हादसे में दो भाई सहित तीन की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रक ने इलेक्ट्रिक स्कूटी को चपेट में ले लिया। हादसे में दो भाईयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में प्रतापनगर थाना क्षेत्र प्रतापनगर चौराहा पर मार्बल से भरे ट्रक ने ई-स्कूटी को चपेट में ले लिया। हादसे में स्कूटी चालक करोल बाग दिल्ली निवासी विक्की उर्फ मनी कुमार पुत्र चन्द्रपाल सिंह, कुणाल (16) पुत्र चन्द्रपालसिंह तथा प्रीतम पहलवान गली सुदरवास हॉल सूखानाका निवासी, रोनक यादव (15) पुत्र बासु यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर प्रतापनगर थानाधिकारी दर्शनसिंह, हेडकांस्टेबल लालसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर मृतकों को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है।

डॉ. अर्चना सुसाइड प्रकरण में प्रसूता का पति व जेठ गिरफ्तार

लालसोट, (निसं)। उपखंड के आनंद हॉस्पिटल की महिला चिकित्सक अर्चना शर्मा सुसाइड प्रकरण में मृतक प्रसूता के पति लल्लू राम बैरवा एवं उसके जेठ भोमाराम बैरवा को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही दोनों आरोपियों के कब्जे से समझौता में पति व जेठ द्वारा लिए गए तीन लाख रुपयों को भी बरामद किया गया है।

■ **समझौते में पति व जेठ द्वारा लिए गए तीन लाख रुपये बरामद किए**

वहीं डॉ अर्चना सुसाइड प्रकरण में अब तक दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुसाइड प्रकरण में गिरफ्तार सभी दस आरोपी न्यायिक अभिरक्षा जेल में चल रहे हैं। महिला चिकित्सक सुसाइड प्रकरण में मुख्य आरोपी शिव शंकर जोशी उर्फ बल्या व खंडार के पूर्व विधायक संसदीय सचिव रहे जितेंद्र गोठवाल एवं कांग्रेस एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश सचिव रहे हरकेश मीणा शाहपुरा और भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पूर्व सरपंच हरकेश मीणा मटलाना सहित 8 आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद कोर्ट से मिले आदेशों पर सभी आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

इस महिला चिकित्सक सुसाइड प्रकरण में तत्कालीन थानाधिकारी अंकेश चौधरी एवं पुलिस उपाधीक्षक शंकर लाल मीणा को निलंबित किया था। इस घटनाक्रम को लेकर संभागीय आयुक्त ने उस समय लालसोट में पदस्थ रहे पुलिस उप अधीक्षक शंकर लाल मीणा एवं थानाधिकारी अंकेश चौधरी आदि के भी बयान लिए थे।

डेफलंपिक्स : धनंजय, पृथ्वी ने रजत जीता

कैक्सिय दो सुल (ब्राज़ील), 13 मई। पृथ्वी शेखर और धनंजय दूबे की पुरुष जोड़ी ने कैक्सियस दो सुल में चल रहे डेफ़ ऑलंपिक्स की टेनिस युगल प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला रजत पदक जीता। पृथ्वी-धनंजय की जोड़ी को फ्रांस के मिकाइल एलिक्स लौरेंट और विनसेंट नोवेली के ख़िलाफ़ गुरुवार को खेले गये फ़ाइनल मुकाबले में 6-7(5), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। क्वार्टरफाइनल में निकोलस सर्ज और मैक्सिम सांचेज को 6-0, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पृथ्वी और धनंजय ने फाइनल में पहुंचने के लिए अर्जेंटीना के माटेओ जीसस और निकोलस गुस्तावो को 6-4, 6-0 से हराया। भारत ने अब तक डेफ़लंपिक्स में सात स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक सहित 12 पदक जीते हैं।

पूर्व चैम्पियन आमिर खान ने मुक्केबाजी से संन्यास की घोषणा की

लंदन, 13 मई। पूर्व लाइट-वेल्टरवेट विश्व चैम्पियन आमिर खान ने शानदार करियर के बाद मुक्केबाजी से संन्यास लेने की घोषणा की जिसमें 2004 एथेंस ओलंपिक में रजत पदक भी शामिल रहा। आमिर खान ने ट्विटर पर कहा, "अब संन्यास लेने का समय आ गया है।" पैंतीस साल के इस मुक्केबाज ने कहा, "मैं भाग्यशाली हूं कि मेरा 27 साल का करियर शानदार रहा।"

कोरोना मुक्त हुए शाकिब अल हसन

ढाका, 13 मई। श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ से पहले बांग्लादेश टीम ने राहत की सांस ली है क्योंकि उनके स्टार हरफ़नमौला शाकिब अल हसन कोरोना मुक्त हो चुके हैं। मंगलवार को शाकिब आरटीपीसीआर और रैपिड एंटीजन टेस्ट में पॉज़िटिव पाए गए थे। बांग्लादेशी टीम के एक अधिकारी ने बताया कि शाकिब शुक्रवार को चटगांव पहुंचेंगे जहां उन्हें मेडिकल और फ़िटनेस टेस्ट से गुज़रना होगा। इसके बाद ही टीम में उन्हें शामिल करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। शाकिब 11 मई को टेस्ट दल के साथ जुड़ने वाले थे। हालांकि कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें क्वारंटीन में रहना पड़ा। बांग्लादेश ने उनके बदले किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की घोषणा नहीं की थी और शाकिब का वापस आना चोट से ठास्त टीम के लिए ख़ुशी की लहर से कम नहीं है। मेहदी हसन मिराज़ और तस्कीन अहमद क्रमश: उंगली और कंधे की चोट के चलते पहले ही टीम से बाहर हैं, जबकि टीम में चुने जाने के बावजूद शरीफ़ुल इस्लाम की फ़िटनेस पर संदेह बना हुआ है। गेंदबाज़ी के साथ-साथ बांग्लादेश की बल्लेबाज़ी को भी मध्य क्रम में शाकिब के अनुभव की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका में दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेशी टीम 53 और 80 के स्कोर पर सिमट गई थी। शाकिब की जगह को भरने के लिए टीम को दो खिलाड़ियों की ज़रूरत पड़ रही थी।

बेयरस्टो और लिविंग्स्टन के विस्फोटक अर्द्धशतकों से पंजाब की उम्मीदें कायम

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को 54 रन से हराया

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाईट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
बेयरस्टो का सिराज बो शाहबाज	66	29	4	7
धवन बो मैक्सवैल	21	15	2	1
राजपक्षा गा हर्षल बो हसरंगा	1	3	0	0
लिविंगस्टन का कार्तिक बो हर्षल	70	42	5	4
मयंक का हसरंगा बो हर्षल	19	16	3	0
जितेश बो हसरंगा	9	5	2	0
हरप्रीत का कार्तिक बो हर्षल	7	5	0	1
रिज़ि बो हर्षल	7	3	0	1
राहुल रन आउट	2	2	0	0
रबाडा नाबाद	0	1	0	0
अतिरिक्त :	7			

कुल : कुल 20 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन

विकेट पतन : 1-60, 2-85, 3-101, 4-152, 5-164, 6-173, 7-208, 8-207, 9-209

गेंदबाजी : मैक्सवेल 2-0-17-1, हेजलवुड 4-0-64-0, सिराज 2-0-36-0, हसरंगा 4-0-15-2, शाहबाज 4-0-40-1, हर्षल 4-0-34-4

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु	रन	गेंद	4	6
कोहली का राहुल बो रबाडा	20	14	2	1
डु प्लेसिस का जितेश बो ऋषि	10	8	2	0
पाटीदार का शिखर बो राहुल	26	21	1	2
लोमरोर का शिखर बो ऋषि	6	3	0	1
मैक्सवेल का अर्शदीप बो हरप्रीत	35	22	3	1
कार्तिक का भानुका बो अर्शदीप	11	11	1	0
शाहबाज का भानुका बो रबाडा	11	7	2	0
हर्षल का मयंक बो रबाडा	11	7	2	0
हसरंगा का हरप्रीत बो राहुल	1	3	0	0
सिराज नाबाद	9	13	1	0
हेजलवुड नाबाद	7	4	1	0
अतिरिक्त :	10			

कुल : 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 रन

विकेट पतन : 1-33, 2-34, 3-40, 4-104, 5-104, 6-120, 7-124, 8-137, 9-142

गेंदबाजी : हरप्रीत 4-0-33-1, अर्शदीप 4-0-27-1, रबाडा 4-0-21-3, ऋषि 4-0-36-2, राहुल 4-0-36-2

मुम्बई, 13 मई। जानी बेयरस्टो (66) और लियाम लिविंग्स्टन (70) के विस्फोटक अर्धशतकों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल मुकाबले में शुक्रवार को 54 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा।

पंजाब ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 209 रन का मजबूत स्कोर बनाया और फिर बेंगलुरु के चैलेंज को 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रनों पर रोक दिया। पंजाब की 12 मैचों में यह छठी जीत है और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है। बेंगलुरु को 13 मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह चौथे स्थान पर बरकरार है। बेंगलुरु को प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों के लिए अपना आखिरी मैच हर हाल में जीतना होगा।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे पंजाब ने तूफानी शुरुआत करते हुए पॉवरप्ले में बेंगलुरु के गेंदबाजों का धुंआ निकाल दिया। पहले बल्लेबाज के रूप में शिखर धवन जब पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए तो उस समय पंजाब का स्कोर 60 रन पहुंच चुका था। बेयरस्टो ने कातिलाना अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मात्र 29 गेंदों में चार चौकों और सात छक्कों की मदद से 66 रन बनाये। शिखर 15 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। लिविंग्स्टन ने 42 गेंदों पर 70 रन में पांच चौके और चार छक्के लगाए।

हरप्रीत बराड़ और ऋषि धवन ने भी सात-सात रन की पारियों में एक-एक छक्का लगाया। कप्तान मयंक अठावाल ने 16 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे 19 रन बनाये। बेंगलुरु के गेंदबाज़ इस मुक़ाबले में काफ़ी महंगे सिद्ध हुए। मोहम्मद सिराज और जॉश हेज़लवुड ने मिलकर छह ओवर में सौ रन लुटा दिए, हेज़लवुड ने चार ओवर में जहां 64 रन दिए, वहीं सिराज ने दो ओवरों में 36 रन खर्च कर डाले। हालांकि हसरंगा ने अपने कोटे के ओवरों में सिर्फ़ पंद्रह रन दिए और दो विकेट भी अपने नाम किए। हर्षल पटेल ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट हासिल किये।

भारत 43 साल बाद थॉमस कप के सेमीफाइनल में

बैंकाक, 13 मई। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने गुरुवार को मलेशिया को 3-2 से हराकर 43 साल के लम्बे इन्तजार के बाद थॉमस कप टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत इससे पहले तीन बार-1952, 1955 और 1979 में सेमीफाइनल में पहुंचा था। भारत 2020 में पिछले संस्करण के क्वार्टरफाइनल में हार गया था। भारत का सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया और डेनमार्क के बीच मुकाबले के विजेता से मुकाबला होगा। किदाम्बी श्रीकांत, एच इस प्रणय और चिराग शेट्टी तथा सात्विक सैराज रन्किरेड्डी की जोड़ी ने अपने अपने मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन अपना मुकाबला हार गए। पहले मैच में लक्ष्य सेन को विश्व के नंबर छह खिलाड़ी ली ज़ी जिया ने हरा दिया, जिसके बाद भारतीय टीम बैकफुट पर चली गई। इस मैच से पहले सेन ने ज़ी जिया के खिलाफ खेले गए दोनों मैच जीते थे।हालांकि इस मैच में मलेशिया के ज़ी जिया सेन पर हावी रहे और उन्होंने सेन को 23-21, 21-9 से मात दी।

शेट्टी और रन्कीरेड्डी की भारतीय पुरुष जोड़ी ने दूसरे मैच में स्कोर बराबर किया। इस जोड़ी ने फॉर्म में चल रहे गोह स्ज़े फी और नूर इज़ुद्दीन को हराकर मैच 21-19, 21-15 से जीता। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने इसके बाद तीसरे मुकाबले में भारत को बेहद जरूरी बढ़त दिलाई। श्रीकांत ने एनजी त्ज़े योंग को सीधे गेमों में 21-11, 21-17 से हराया। मलेशिया को चौथे मैच में वापसी करवाते हुए आरोन चिया और टीओ ई ने कृष्णा प्रसाद और विष्णुवर्धन पंजाला को 21-19, 21-17 के अंतर से हराया। रोमांच से भरे फाइनल टाई में, प्रणय ने भारत को थॉमस कप के सेमीफाइनल में ले जाने के लिये लिओंग जून हाओ के खिलाफ मैच को 21-13, 21-8 से जीत लिया।

विश्वनाथन आनंद फिडे के उपाध्यक्ष का चुनाव लड़ेंगे

चेन्नई, 13 मई। पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद को अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ (फिडे) के उपाध्यक्ष के पद के लिये उम्मीदवार घोषित किया गया है। आनंद का नाम फिडे के अध्यक्ष आरकेडी वारकोविच की अध्यक्ष टीम के हिस्से के रूप में घोषित किया गया है। आनंद ने इस बारे में ट्वीट करते हुए कहा, "शतरंज के उज्जवल और बेहतर भविष्य का हिस्सा बनने की आशा करता हूं।" ट्वीट में कहा गया कि यदि वोरकोविच अगस्त 2022 में (विश्व चेस ऑलंपियाड के दौरान) चेन्नई में होने वाले फिडे चुनाव जीत जाते हैं तो विश्वनाथन आनंद फिडे के उपाध्यक्ष बन जाएंगे। इस बारे में वोरकोविच ने कहा, "प्रिय साथियों और शतरंज खेलने वाले मित्रों, फाइड अध्यक्ष चुनावों के लिये मैं खुशी के साथ अपनी मौजूदा टीम प्रस्तुत करना चाहूंगा। आरकेडी वोरकोविच- अध्यक्ष, विश्वनाथन आनंद- उपाध्यक्ष (डिप्टी प्रेसिडेंट), जू चेन-कोषाध्यक्ष, जोरियान ऑलिन जैनसन- उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट), माहिर मामेदोव- उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट)।" उल्लेखनीय है कि आनंद ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह चुनाव में वोरकोविच का पूर्ण समर्थन करेंगे।

बाकी बचे दो मुकाबलों से भी बाहर रह सकते है पृथ्वी

मुम्बई, 13 मई। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ पृथ्वी शॉ लीग स्टेज में बचे दिल्ली के दोनों मुक़ाबलों से भी बाहर रह सकते हैं। टीम के सहायक कोट शेन वॉटसन ने पृथ्वी के स्वास्थ्य को लेकर बरकरार संशय पर अपने बयान में कहा कि लीग स्टेज के अंतिम दो मुक़ाबलों में शॉ के खेलने की संभावना कम ही है। शॉ को बुखार हो गया है वॉटसन ने गुरुवार को ठोड क्रिकेटर पॉडकास्ट से कहा, "मैं उनके निदान को ठीक से नहीं जानता, लेकिन उन्हें पिछले कुछ हफ़्तों से यह अंतर्निहित बुखार है, जिसे खोजने के लिए उन्हें वास्तव में इसकी तह तक जाना पड़ा है।

मैं चयनकर्ता होता तो कार्तिक को टी-20 विश्वकप के लिये चुनता : हरभजन

कोलकाता, 13 मई। पूर्व भारतीय ऑफ़-स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल 2022 में दिनेश कार्तिक के प्रदर्शन की तारीफ़ करते हुए कहा है कि अगर वह चयनकर्ता होते तो दिनेश कार्तिक को टी20 वर्ल्ड कप के लिये भारतीय टीम में जगह देते।

स्टार स्पोर्ट्स पर गेमप्लैन एपिसोड के दौरान हरभजन ने कहा, "दिनेश कार्तिक ने आरसीबी के लिये बेमिसाल प्रदर्शन किया है। वह ऑफ़ साइड्स से ज़्यादा बेहतर शॉट लेग साइड में खेलते हैं, अच्छी तरह सिंगल भी लेते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि उनकी खासियत यह है कि वह खेल को अच्छी तरह समझते हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है तो वह मैच को खत्म करते हैं। मेरे अनुसार अगर किसी ने पूरे आईपीएल में फिनिशर का किरदार सबसे अच्छी तरह निभाया है तो वह कार्तिक हैं।"

उन्होंने कहा, "अगर मैं एक चयनकर्ता होता तो मैं उन्हें विश्व कप टी20 के लिए ऑस्ट्रेलिया का टिकट देता और उन्हें भारत के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज़ के रूप में खेलने देता क्योंकि वह इसके हकदार थे। अगर कभी भारतीय क्रिकेट टीम को सर्वश्रेष्ठ फिनिशर की जरूरत होती है तो वह दिनेश होना चाहिए। कार्तिक और हार्दिक पांड्या के साथ वे एक बहुत शक्तिशाली टीम बन जाते हैं। वैसे भी, मैं भविष्य में बहुत दूर तक बात नहीं करूंगा लेकिन हां, एक बार फिर, मुझे कहना होगा कि दिनेश कार्तिक इस सीज़न में अविश्वसनीय रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि उन्हें थोड़ा जल्दी बल्लेबाज़ी करने का मौका मिलेगा। उनके लिए खेल खत्म करने के लिए 15-16 ओवर काफी हैं।"

इस सीजन में बैंगलोर पर दिनेश कार्तिक के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर कोच संजय बांगर ने कहा कि वह आरसीबी के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और युवा खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने में भी मदद कर रहे हैं।

अभ्यार्थियों को करना पड़ा रोडवेज बसों का इन्तजार

करौला (निसं.)। करौली जिला मुख्यालय पर पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच शांति पूर्ण संपन्न हुई। लेकिन परीक्षार्थियों और यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।जिला मुख्यालय पर पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 3 सेंटरों पर दो पारियों में आयोजित हुई परीक्षा में कुल 3600 परीक्षार्थियों में से 3221 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। एवं 2379 अनुपस्थित रहे पुलिस कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय पर 3 सेंटरों पर पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें यहां के पीजी पीजी कॉलेज मे 720 परीक्षार्थियों में से 437 अनुपस्थित रहे। 283 अनुपस्थित रहे,शिवा एकेडमी स्कूल में 480 परीक्षार्थियों में से 296 उपस्थित रहे 184 अनुपस्थित रहे इसी प्रकार एकलव्य कॉलेज में 600 परीक्षार्थियों में से 364 उपस्थित रहे 236 अनुपस्थित रहे इसी प्रकार दूसरी पारी में पीजी कॉलेज 720 परीक्षार्थियों में से 441 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 279 छात्र अनुपस्थित रहे,शिवा एकेडमी स्कूल में 480 परीक्षार्थियों में से 306 उपस्थित रहे।

भरतपुर में पीने के पानी की समस्या को लेकर किसानों ने धरना दिया

भरतपुर (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा जिला कलेक्ट्रेट के सामने सांकेतिक धरना दिया और केन्द्र और राज्य सरकार के नाम जिला कलेक्टर आलोक रंजन को ज्ञापन सौपा।

अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष रम्मो सिंह हवलदार और

■ **एक दशक से अधिक समय निकल जाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं : नत्थीलाल**

महामंत्री कौमरेड नत्थीलाल ने बताया कि किसान की विभिन्न मांगों के लिए संगठन द्वारा समय-समय पर प्रशासन एवं सरकारों से अनुरोध किया जाता रहा है, परन्तु एक दशक से ज्यादा समय निकल जाने के बावजूद भी कोई समाधान नही

भरतपुर में किसानों ने धरना दिया ।

किया। इधर पानी मंहगाई आदि की समस्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है । इसलिए संगठन ने तय किया आज एक दिन का कलेक्ट्रेट पर सांकेतिक धरना डालकर आन्दोलन को गति दी जावे । सरकार द्वारा किसानों की जो समस्या भरतपुर जिले के किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या फसल और पीने के लिए पानी की समस्या है। जो लगभग चार दशक पूर्व सम्बन्धित सरकार और राजनैतिक नेताओं द्वारा गंभीर नदी, बाण गंगा नदी, रूपारेल नदी आदि नदियों को ऊपर रोके जाने से बनी है। अब तीन दशक से ज्यादा समय से उक्त नदियों में पानी नजर ही नहीं आता है आदि समस्याओं के बारें मे मांग की है।

पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभों से वंचित न रहें : प्रभारी मंत्री

भरतपुर (निसं)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग मंत्री रमेश चंद मीणा ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देष दिये कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अभियान योजना से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मीणा षुक्रवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागीय एवं विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर को निर्देष दिये कि जिला स्तर पर तकनीकी समिति गठित कर राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की ऑनलाइन समीक्षा करें जिससे राज्य सरकार की मंषा के अनुरूप गरीब पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सिलकोसिस पीड़ितों की जांच हेतु सम्बंधित उपखण्ड अधिकारियों की निगरानी में सिलकोसिस पीड़ितों के लिए विषेश षिविर लगाकर चिकित्सा बोर्ड से जांच करायी जाये जिससे जांच में निश्पक्षता लायी जा सके। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे पालनहार योजना से अनाथ श्रेणी के बच्चों को जोड़कर शत-प्रतिशत लाभान्वित करें। इंदिरा रसोई में जब तक जनप्रतिनिधियों और अधिकारी खाना नही खाएंगे तब तक भोजन की गुणवत्ता में सुधार नही आएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को खाने की समय समय पर जांच करने के निर्देश दिए। जिससे जरूररतमंद लोगो का गुणवत्तायुक्त और पौष्टिक खाना मिल सके। उन्होंने शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी खाद्य पदार्थों की समय समय पर जांच के नमूने लेकर मिलावट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने ई-मित्रों के कार्यप्रणाली में मिल रही अनियमितता की षिकायतों पर कहा कि आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ पूरी तरह नही मिल पा रहा है इसके लिए उन्होंने अधिकारियों की एक समिति बना कर ई-मित्र पर निगरानी रखने के निर्देश दिये और अनियमितता मिलने पर ई-मित्रों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की हिदायत दी।

सार-समाचार

गोवर्धन पूजा का रौचक वर्णन

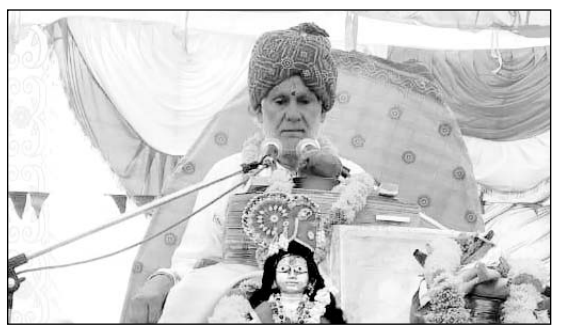

गंगापुर सिटी । समीपवर्ती गांव बाढप्रताप सिंह आयोजित भागवत कथा में भागवताचार्य पंडित शिवजी लाल शर्मा ने शुक्रवार को कृष्ण जन्म,कृष्ण की बाल लीलाओ, गाय चराने, गेंद खेलने, नाग मर्दन, राक्षसो का वद करने, गोवर्धन पूजन कथा का रौचक वर्णन कर भाव विभोर कर दिया। इन्द्र महाराज का अभिमान चूर्ण करने के लिए कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा करवाई जिससे नाराज हो कर इन्द्र ने मूसलाधार वर्षा की। लेकिन कृष्ण ने गोवर्धन को उंगली उठा कर बृज की रक्षा की। कथा के बीच में आयोजित धार्मिक भजनो पर श्रद्धालु झूमने लगे। इस दौरान सजीव झांकी सजाई गई। भागवत कथा में पंडित गोपाल लाल शर्मा, अजय सिंह, मान बहादुर सिंह सहित सैकडो की संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित थे।

आवेदन 25 मई तक

वैर। दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत नगर पालिका वैर में स्वरोजगार के लिए आवेदन 25 मई तक लिए जा रहे हैं ।जिसमें युवाओ को रोजगार के लिये ऋण उपलब्ध कराये जायेगे। नगर पालिका अध्यक्ष विष्णु महावर व ईओ हनुमान शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वरोजगार घटक के लिए ऋण के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं ।

भगवान नृसिंह का जन्मोत्सव 14 को

गंगापुर सिटी। नृसिंह कॉलोनी स्थित नृसिंह मंदिर पर भगवान नरसिंह का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। मंदिर के महंत रामबाबू शर्मा ने बताया कि भगवान नरसिंह को छप्पन प्रकार के पकवानो का भोग लगाया जायेगा एवं फूल बंगला झांकी सजाई जायेगी। शनिवार को सांय सवा 7 बजे भगवान नरसिंह की पूजा अर्चना के साथ छप्पन भोग व फूल बंगला झांकी के दर्शन आमजन के लिए खोले जायेंगे। आयोजक नरसिंह भक्त मंडल के सदस्यो ने बताया कि 15 मई रविवार को शाम 5 बजे से प्रसाद वितरण होगा। उन्होने शहर के सभी धर्मप्रेमियो से छप्पनभोग झांकी के दर्शन कर धर्मलाभ उठाने का आह्वाहन किया है।

मंदिर में तोड़फोड़

बयाना। बयाना क्षेत्र के गांव पुराहरलाल में बीती रात्रि को असमाजिक तत्वों ने वहां के प्राचीन हनुमान मंदिर में तोडफोड व आगजनी की घटना को अंजाम देते हुए हनुमानजी की प्राचीन प्रतिमा से भी छेडछाड की। चांदी के छत्र व मुकुट सहित पीतल के घंटे, हिन्दू ग्रंथ, हनुमानचालीसा आदि को भी जलाकर क्षतिग्रस्त कर दिया है।

मनुष्य को समय रहते धर्म कर्म करने चाहिए : सांसद जसकौर

सांसद जसकौर मीणा के चादनहोली ग्राम पंचायत पहुंचने पर ग्रामीणों ने स्वागत किया।

बामनवास। उपखंड क्षेत्र के चांदनहोली ग्राम पंचायत में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समारोह एवं भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दौसा सांसद जसकौर मीणा द्वारा शिरकत की गई। इस श्रीमद् भागवत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जसकौर मीणा ने कहा कि युक्ति को खुद की जीवन में समय रहते धार्मिक आयोजन धर्म-कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि धर्म की जड़ सदा हरी रहती है। आयोजन से जुड़े अशोक जारेड़ा चांदनहोली ने बताया कि को भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर दौसा सांसद जसकौर मीणा कार्यक्रम में पहुंची और उन्होंने श्रोतागणों को संबोधित करते हुए कहा धर्म की जड़ सदा हरी होती है जीवन में किया गया धर्म कभी व्यर्थ नहीं जाता है इस प्रकार के धार्मिक आयोजन होते रहने चाहिए।श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में पहुंचने पर दौस सांसद मीना का 21 किलो के माला पहनाकर स्वागत किया गया।इस दौरान सरपंच संघ अध्यक्ष रामखिलाड़ी मीना, सीत्तौड़ सरपंच विजय सिंह गुर्जर, बिछोछ सरपंच प्रतिनिधि रामलाल मीणा खेड़ली सरपंच नमो नारायण मुकेश भाई कगलू आदि कई ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सरपंच संघ अध्यक्ष एवं सरपंच ग्राम पंचायत चंदनहोली रामखिलाड़ी मीना द्वारा विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए अपने निज निवास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा मे शुक्रवार

गैस रिसाव से आग लगने पर महिला झुलसी

वैर। रसोई घर में रखे गैस सिलेंडर में गैस लीक होने पर लगी आग से महिला झुलस गई । परिजनों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया । घायल महिला को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया।

मुख्य बाजार में पुराने थाने के पास स्थित एक मकान के रसोई घर में रखे सिलेंडर में लीकेज हो गया । सुबह 5:00 -- 5:30 बजे के लगभग ऋषि मोहन गुप्ता की पत्नी अलका 35 वर्ष रसोई घर में प्रात: चाय आदि बनाने को गई । रसोई घर में अलका ने गैस की गंध पर ध्यान नहीं दिया और चूल्हा जलाने के लिए लाइटर का उपयोग किया इससे तत्काल रसोई घर में भरी गैस में आग लग गई । तेज आवाज के साथ गैस में लगी आग के गोला की चपेट में महिला आ गई और झुलस गई । रसोईघर से लगे खुले चौक में बैठे परिजनों ने तत्काल घायल महिला को संभाला तथा आग को सिलेंडर तक पहुंचने से रोकने की तत्काल कार्रवाई कर बड़े हादसे को रोक लिया । घायल अलका को प्राथमिक उपचार दिलाया गया जहां उसकी हालत ठीक बताई गई है।

भगवान परशुराम के पूज्य धाम के निर्माण का पोस्टर जारी

करौली (निसं.)। विप्र फॉउन्डेशन राज0 जोन-1डी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक विप्र फॉउन्डेशन राष्ट्रीय संरक्षक व मावली विधायक धर्मनारायण जोशी के मुख्यातिथ्य व राष्ट्रीय सचिव विनोद अमन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुरामजी के चित्रपट पर दीपप्रज्वलन व मंगलाचरण के साथ हुई। भागवताचार्य रमेश शास्त्री व पंडित श्रीपत शर्मा ने भगवान परशुरामजी की सामूहिक आरती कराई।कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वसमाज के प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया व विप्र फॉउन्डेशन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में भगवान परशुरामजी के पूज्य धाम के निर्माण के पोस्टर के विमोचन के साथ हुआ। प्रदेश संगठन महामंत्री शान्तनु पाराशर ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया व संगठन की रीति नीति से सभी पदाधिकारियों को अवगत कराया। प्रदेशाध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुये समाजहित में कार्य करने को कहा साथ ही विप्र फॉउन्डेशन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में बन रहे परशुराम धाम के प्रचार प्रसार व सहयोग को कहा। साथ ही ईडब्लूएस में रह रहीं विसंगतियों के दूर करने,अन्य वर्गों की तरह ईडब्लूएस को भी सभी सुविधाओं का लाभ मिलने व इडब्लूएस प्रमाणपत्र हेतु पूरे सम्भाग में कैम्प आयोजन हेतु सरकार व प्रशासन से मिलने व मंदिर माफी की जमीन व पुजारियों की तनख्वाह बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी पदाधिकारियों ने अपनी सहमति देकर अनुमोदन किया जिस पर प्रदेशाध्यक्ष उपाध्याय ने कहा कि आज पास हुये प्रस्तावों पर शीघ्र ही कार्य किया जायेगा। मुख्य अतिथि धर्मनारायण जोशी ने विप्र फॉउन्डेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष में किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया साथ ही कहा कि आज करौली में हुआ कार्यक्रम श्रेष्ठ ही नहीं सर्वश्रेष्ठ है। विप्र फाउंडेशन के कार्यकर्ता सदैव राष्ट्रीय एकता,सामाजिक समरसता व स्वजातीय गतिशीलता के पुनीत उद्देश्यों पर चलता है।चाहे सेंटर फॉर एक्सीलेंस हो,चाहे रक्तदान शिविर हो।

चाहे विप्र स्कॉलरशिप कार्यक्रम हो विप्र फॉउन्डेशन सदैव धरातल के कार्य करता है।कार्यक्रम को विनोद अमन,रमेश शास्त्री,हेमन्त शर्मा,गंगाराम पाराशर,इंदुशेखर शर्मा,डॉ0 आरती भारद्वाज, सुरेन्द्र शर्मा,संजय शर्मा,भूपेंद्र अवस्थी,त्रिवेन्द्र लाटा, विष्णु गुरुजी,कैलाश तिवाड़ी, सुशील पाराशर व कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया।कार्यक्रम में करौली,धौलपुर,भरतपुर, सवाईमाधोपुर, गंगापुर, दौसा व विप्र फॉउन्डेशन राज0 जोन-1डी के पूरे जॉन से पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता संपन्न : तंबाकू मुक्त राजस्थान अभियान के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय कार्य योजना की श्रृखला में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन स्वास्थ्य भवन परिसर में हुआ। जिसमें तीन प्रतिभागियों को उत्कृष्ट वाद-विवाद के लिए सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि तंबाकू दुष्प्रभावों को आमजन तक पहुंचाने के लिए 100 दिवसीय कार्य योजना में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन संचालित है। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेशचंद मीना ने दी।

मनीष गौड़ सहायक प्रबंधक बने

मासलपुर (निसं.)। मासलपुर तहसील क्षेत्र के खेड़िया गांव के युवा का नाबार्ड में सहायक प्रबंधक पद पर चयन हुआ है युवा मनीष गौड़ ने संपूर्ण भारत में आयोजित हुई केवल एक पद की परीक्षा लाखों युवाओं को पीछे छोड़ अपने नाम कर ली है और अब है ग्रामीण विकास की सर्वोपरि बैंक नाबार्ड में सहायक प्रबंधक का पद संभालेंगे।

वर्तमान में युवा मनीष ने आईआईटी खड़गपुर से खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी में एमटेक की है। इससे पूर्व उन्होंने डॉ0 पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय अकोला महाराष्ट्र कृषि अभियांत्रिकी में बीटेक की है। मनीष ने बताया कि उनके परिवार के लोग मुख्तय कृषि से जुड़े हुए हैं। बचपन से ही ग्रामीण विकास की धीमी गति को देखकर इस क्षेत्र में विशेष प्रयास का सपना देखा जा रहा था आज इस पद पर पहुंचने की खुशी है अब मे ग्रामीण क्षेत्र के विकास की योजनाओं को क्रियान्वित करने में सहभागिता निभा सकता हूं युवा मनीष ने बताया कि पिता ब्रह्मानंद सेवानिवृत्त कंपाउंडर एवं मा रेशम देवी ग्रहणी तथा छोटा भाई अंकित कुमार रूप में एमबीबीएस का प्रशिक्षण ले रहा है।

महालक्ष्मी रथयात्रा का बयाना में होगा भव्य स्वागत

अग्रवाल समाज की महालक्ष्मी रथयात्रा का शनिवार शाम को बयाना पहुंचने पर किया जायेगा।

बयाना। अग्रोहा धाम से चलकर देश के विभिन्न राज्यों का भ्रमण करते हुए भरतपुर उच्चैन व रूपवास रूदावल होकर अग्रवाल समाज की महालक्ष्मी रथयात्रा का शनिवार शाम को बयाना पहुंचने पर अग्रवाल समाज की ओर से भव्य स्वागत व सामूहिक आरती की जाएगी। रथयात्रा से साथ अग्रवाल समाज के प्रमुख पदाधिकारी भी आऐंगे। अग्रवाल समाज समिती की स्थानीय षाखा के अध्यक्ष सुरेशचंद रूदावल ने बताया यह षोभायात्रा षाम पांच बजे बस स्टैंड रोड से रवाना होकर बजरिया व स्टेषन रोड अनाज मंडी एवं कस्बे के मुख्य बाजारों से होते हुए रात्रि को कस्बे के अग्रसेन कन्या महाविधालय पहुंचेगी। जहां रात्रि विश्राम के पष्चात सुबह के समय वैर भुसावर की ओर रवाना होगी।समिती के महामंत्री विनोद गोयल ने बताया कि षोभायात्रा का कस्बे के बाजारों में जगह जगह भव्य स्वागत सत्कार किया जाएगा। जिसकी जोर षोर से तैयारीयां की जा रही है।

अपरहण के आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर

मण्डरायल (निसं.) मण्डरायल के रानीपुरा गांव निवासी एक दलित गरीब परिवार के व्यक्ति की एक नाबालिक पुत्री को भगाकर ले जाने का पुत्री के पिता ने मण्डरायल थाने पर 7 माह पूर्व मुकदमा दर्ज कराया था जिसने कई बार पुलिस थाना अधिकारी सहित उच्चाधिकारियों से कई बार नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। लेकिन पुलिस उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

पुत्री के पिता ने बताया कि हम दो भाई हैं दोनों भाई बहार मजदूरी करते हैं घर पर पत्नी व पुत्री अकेली रहती है। पिता ने बताया कि 19 सितंबर 2021 को हम दोनों भाई बाहर थे। पत्नी मजदूरी के पैसे मांगने के लिए गई थी। उस दौरान घर पर पुत्री अकेली थी मौका पाकर मध्य प्रदेश के टेट्रा गांव का एक युवक पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया। जिसका मण्डरायल थाने पर मामला दर्ज कराया गया।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण के मामलों में थोड़ी कमी आई है। इसके चलते राज्य में 70 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 92 मरीजों के ठीक होने के साथ एक्टिव केस घटकर 616 रह गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 12 जिलों में 70 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 80 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में थोड़ी वृद्धि के बाद 49 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 10, धौलपुर में 6, जोधपुर और चूरू में 3-3, अजमेर और उदयपुर में 2-2 तथा बीकानेर, दौसा, गंगानगर, झालावाड़ और कोटा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 21 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में शुक्रवार को रिकवरी में सुधार हुआ है। इस दौरान 92 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 616 रह गए हैं। हालाकि अभी सर्वाधिक 390 मामले राजधानी जयपुर में है। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 24 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5 नए मरीज जगतपुरा में पाए गए हैं। इसके अलावा जवाहर नगर में 4, गोपालपुरा, मानसरोवर, सोड़ाला और वैशाली नगर में 3-3 तथा बापू नगर, बरकत नगर, जौहरी बाजार, झोटवाड़ा, खातीपुरा, मालवीय नगर, मुरलीपुरा, पुरानी बस्ती, सांगानेर व शास्त्री नगर में 2-2 और अजमेर रोड, बगरू, सी-स्कीम, दुर्गापुरा, घाटगेट, एमडी रोड, टोंक रोड और विराट नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जयपुर में 74 मरीज ठीक हुए हैं।

जच्चा की बावड़ी में युवक डूबने की आशंका

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। खरेटा मार्ग स्थित प्रसिद्ध जच्चा की बावड़ी में गुरुवार को एक अज्ञात युवक डूबने की आशंका को लेकर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा गया। शुक्रवार को सीओ किशोरी लाल के निर्देशन में कोतवाली थाना प्रभारी वीर सिंह के नेतृत्व मेंभरतपुर की सी कंपनी की एसडीआरएफ टीम के 10 सदस्य शुक्रवार को दोपहर बाद जच्चा की बावड़ी में अपने गोताखोरों से सर्च अभियान चलाया। करीब 4 घंटे के चले इस सर्च अभियान के दौरान कोई भी सुराग नहीं मिल पाया। इस दौरान जिले की एसडीआरएफ टीम ने भी जच्चा की बावड़ी में तलाशी अभियान चलाया और पुलिस ने स्थानीय गोताखोर, करौली टीम और भरतपुर की एसडीआरएफ टीम के गोताखोरों द्वारा जच्चा की बावड़ी का दिनभर गोताखोरों द्वारा जच्चा की बावड़ी का दिनभर कोना कोना खंगाला गया और लापता युवक की पुलिस ने तलाश करवाई मगर कोई भी सफलता हाथ ना लगी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में चर्चित मिश्र विजेता

भरतपुर (निसं) । तंबाकू मुक्त राजस्थान अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन सभागार में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता में भुसावर खण्ड के ग्यारहवी कक्षा के छात्र चर्चित मिश्र विजयी रहा है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुसावर के छात्र चर्चित मिश्र अब 21 मई को राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली वाद विवाद प्रतियोगिता में जिला भरतपुर का प्रतिनिधित्व करेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुनील शर्मा ने बताया कि तम्बाकू मुक्त राजस्थान अभियान की 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत विभिन्न प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं जिनमें आमजन को तम्बाकू से होने वाले नुकसान एवं उसके बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही कोटपा एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत तम्बाकू विक्रेताओं एवं सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू एवं धूम्रपान करने वालों पर चालानिंग कार्यवाही की जा रही है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ असित श्रीवास्तव व अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक श्याम सिंह एवं जिला सलाहकार तम्बाकू प्रकोष्ट नीरजा कुंतल ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। डॉ असित श्रीवास्तव ने बताया कि जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत के एक विद्यालय में वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसके विजेताओं की खंड स्तर पर प्रतियोगिताएं करवाई गई। खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उप विजेताओं के बीच जिला स्तर पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिला सलाहकार नीरजा कुंतल द्वारा तंबाकू के विविध प्रकार उपयोग, उनके जानलेवा नुकसान, छुडवाने के माध्यमो तथा वर्तमान परिदृश्य पर प्रेजेंटेशन दिया गया। इस अवसर पर डॉ0 मुकेश शर्मा, जिला आईईसी समन्वयक राममोहन जांगिड, सोशल वर्कर पुरूषोत्तम शर्मा, जिला आशा समन्वयक जीतेन्द्र कुमार, मोहित शर्मा, हिमांशु गोयल मौजूद रहे।

कांग्रेस के चिंतन शिविर का मतलब गांधी परिवार से शुरू, गांधी परिवार पर ही खत्म : डॉ. पूनिया

- 'सोनिया गांधी को अशोक गहलोत सरकार के कुशासन की हकीकत राजस्थान के लोगों से जाननी चाहिये'
- 'शिविर में सोनिया गांधी राजस्थान के किसानों की कर्जमाफी का वादा पूरा करने का अशोक गहलोत से ऐलान करवाएं'
- जनता 2023 में प्रदेश से कांठोस को हमेशा के लिये विदा करने को अभी से तैयार बैठी है

जयपुर। कांग्रेस चिंतन शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिये बयानों पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने पलटवार कर कहा कि कांग्रेस के चिंतन शिविर में वही रटी-रटाई बातें जिनसे गांधी परिवार खुश होता है, और परिवारवाद इस कदर हावी है कि पूरी कांग्रेस गांधी परिवार के सामने नतमस्तक है, इससे आगे कांग्रेस की कोई सोच नहीं है, ना कोई विजन है, सिर्फ परिवारवाद की राजनीति के इर्द-गिर्द ही कांग्रेस सिमट गई है।

परिवारवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार इत्यादि के कारण ही कांग्रेस पूरे देश से सिमट चुकी है, केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बची है, इन दो राज्यों से भी आने वाले चुनावों में कांग्रेस मुक्त हो जायेगी। कांग्रेस के चिंतन शिवर में सोनिया गांधी कह रही है कि अल्पसंख्यकों तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है, क्या सोनिया गांधी को यह पता नहीं है कि कांग्रेस सरकार के शासन में करौली, जोधपुर, भीलवाड़ा, भरतपुर और नोहर में हिंसा भड़की, कोटा में पीएफआई की रैली को इजाजत किसने दी, क्या सोनिया गांधी को प्रदेश में बहुसंख्यकों पर अत्याचार नहीं दिखते?

इन क्षेत्रों में हिंसा पीड़ितों से मिलने आज तक अशोक गहलोत नहीं गये, हिंसा करने वाले लोगों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, सरकार सिर्फ लीपापोती कर रही है, एक पक्ष के दोष को छुपाने के लिये दूसरे पक्ष के लोगों को फंसाया जा रहा है, ऐसा कांग्रेस तुष्टिकरण कर वोट बैंक के लिये कर रही है। आजादी से लेकर 50-55 वर्षों तक अल्पसंख्यकों को कांग्रेस ने सिर्फ वोट बैंक तक ही सीमित रखा, इनके विकास व संबल के लिये अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पिछले 8 वर्षों से मोदी सरकार में कार्य हो रहे हैं। सोनिया गांधी को कांग्रेस के चिंतन शिविर से कोई संदेश देना है तो अशोक गहलोत को कहें कि किसान कर्जमाफी का वादा पूरा करें।

अशोक गहलोत को याद रखना चाहिये कि योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिये केन्द्र की मोदी सरकार जमीन पर कार्य कर रही है, वहीं आपने तो किसानों व युवाओं से वादाखिलाफी की है, तो आपके पास जनता को बताने के लिये कुछ है ही नहीं, और जनता 2023 में प्रदेश से कांग्रेस को हमेशा के लिये विदा करने को अभी से तैयार बैठी है।

श्याम बाबा मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मंदिर की नींव रखी ।

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। श्री खाटू श्याम बाबा का मंदिर का निर्माण कार्य का शुभारंभ शहर में मोहन नगर स्थित काका पैलेस के सामने भूमि पूजन के साथ हुआ श्री श्याम मन्दिर सेवा धाम कमेटी, हिंडौन के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में श्याम प्रेमियों ने श्रद्धाव उत्साह के साथ विशेष सहयोग प्रदान कर शहर के गणमान्य लोगों सहित मंदिर की नींव रखी गई। इस दौरान कमेटी से जुड़े ललित सहारिया ने बताया कि श्री खाटू श्याम बाबा का मंदिर निर्माण कार्य हिंडोन में प्रारंभ हो चुका है। जिसमें शहर के भामाशाह व संरक्षक के तौर पर मंदिर निर्माण के लिए लगभग एक करोड़ की जमीन मोहर सिंह धाकड़ ने जमीन प्रदान की। बाबा के मंदिर में बाबा श्याम के साथ श्री हनुमान जी, राधा कृष्ण, गणेश जी की मूर्ति भी विराजमान होंगी।इस मंदिर निर्माण में श्रद्धालुओं के आर्थिक सहयोग से इस मंदिर का निर्माण होगा।

बच्चे के अपहरण की गलत फहमी

बयाना। बयाना कोतवाली क्षेत्र के गांव सिकंदरा में अज्ञात षख्स द्वारा दो वर्शीय बच्चे का अपहरण कर ले जाने व तांत्रिक क्रियाऐं करने की सूचना पर पुलिस के अधिकारीयों की कवायद हुई। हालांकि मामला बुधवार का बताया है। बच्चे के पिता घनष्याम कोली ने इसकी सूचना पुलिस को आज दी थी।

हरिशंकर स्टोन क्रेशर ग्राम गौहण्डी मीणा तहसील महुवा दौसा (राज) 322240
दिनांक 13/5/2022

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं. हरिशंकर स्टोन क्रेशर ग्राम गौहण्डी मीणा तहसील महुआ दौसा के पार्टनर 1. संतोष देवी पत्नी जय सिंह राजपूत। 2. सुभाष चंद्र जैन पुत्र नथ्थूमल जैन का रिटायरमेंट दिनांक 13/ 5/ 2022 को अपना संपूर्ण हिस्सा अन्य चार पार्टनर को बेचने के कारण लिया जा रहा है। अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो सात कार्यालय दिवस में जिला उद्योग कार्यालय में संपर्क करें । **वास्ते**
हरिशंकर स्टोन क्रेशर प्रोपराइटर

कार्यालय ग्राम पंचायत लहसोड़ा, पंचायत समिति सवाईमाधोपुर जिला-सवाईमाधोपुर

क्रमांक:-2022/23/05 दिनांक: 04.05.2022

ई-निविदा सूचना संख्या

वित्तीय वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं यथा मनरेगा, पंचायती राज. ग्रामीण विकास में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों में आनुसंगिक सामग्री आपूर्ति हेतु वाणिज्य कर विभाग जीएसटी में पंजीकृत सक्षम फर्मो एवं संवेदकों से दिनांक 31.03.2023 तक अनुबन्ध हेतु निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनीकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें, दस्तावेज एवं जारी शुद्धि पत्र उपापन पोर्टल की www.sppp.rajasthan.gov.in, एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

सरपंच	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लहसोड़ा	ग्राम पंचायत लहसोड़ा

खेत की रखवाली कर रहे किसान की गोली मारकर हत्या

शिकार करने आये युवकों ने बंदूक से फायर किया, एक कातिल गिरफ्तार

मदनगंज-किशनगढ, (निस)। किशनगढ सिटी थाना अंतर्गत गांव कुम्हरिया बेरा (उदयपुर कला) में खेत की रखवाली कर रहे किसान की गोली मारकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जबकि इसके भाई ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने देर शाम एक कातिल को धरदबोचा।

पुलिस की गिरफ्त में आया हत्यारा गांव का ही निवासी हैं। दरअसल टोपीदार बंदूक के साथ खेत के पास शिकार करने आये दो युवक इन दोनों भाइयों से उलझ गये और कहासुनी होने पर बंदूक से फायर कर गांव कुम्हरिया निवासी रंगलाल जाट (35) पुत्र छोटूलाल के सीने में गोली दाग दी। सनसनीखेज हत्याकांड को लेकर राजकीय अस्पताल में तनावपूर्ण हालात बन गये। भाजपा युवा नेता डॉ. विकास चौधरी, एडवोकेट दिनेश जाट सहित मृतक के परिजनों ने कातिलों को गिरफ्तार करने के साथ उचित मुआवजे की मांग को लेकर शव की सुपुर्दगी लेने से साफ इंकार कर दिया। इनका कहना था कि तीन बेटियों व एक बेटे के बेकसूर पिता की हत्या करने वाले गुनहगारों को गिरफ्तार किया जाये, उसके पश्चात ही मृतक का अंतिम संस्कार किया जायेगा।

गांव कुम्हरिया बेरा में शिकार करने आये युवकों ने फायर कर किसान की जान ली।

उपखंड अधिकारी परसाराम सैनी, पुलिस उपाधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल, मनीष शर्मा के अलावा तीन थानों की पुलिस की मौजूदगी में समझाईस का दौर चलता रहा, किन्तु करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद उपखंड अधिकारी सैनी द्वारा परिवार की सहायतार्थ 50 लाख रुपये एवं बिटिया को सरकारी नौकरी दिलाने के सम्बंध में कलेक्टर को प्रपोजल भेजने के लिये आश्वस्त किये जाने पर मामला शांत हो सका। साथ ही मौके पर मौजूद भाजपा नेता डॉ. विकास चौधरी ने 51 हजार रुपये, सांसद भागीरथ चौधरी, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया ने 50-50 हजार रुपये बतौर आर्थिक मदद करने पर सहमति जताई। वही मृतक जिस फैक्ट्री में कार्य करता था उसके मालिक राजीव शर्मा ने घर वालों को आजीवन हर माह पगार देने की घोषणा की। थाना प्रभारी नरपत सिंह ने बताया कि हत्याकांड को लेकर दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

ट्रेन की इमरजेंसी खिड़की से ढाई वर्षीय बच्चे की खेल-खेल में गिरने से मौत

अजमेर-मैसूर ट्रेन से बेंगलुरू जा रहा था परिवार

पिंडवाड़ा, (निसं)। अजमेर- मैसूर ट्रेन से बेंगलुरू जाने वाले दंपति का ढ़ाई वर्षीय बालक सफर के दौरान कोच में खेलते -खेलते आपातकालीन खिडकी में से बाहर जा गिरा जिससे वह गंभीर घायल हो गया। राजकीय चिकित्सालय पहुंचते ही बच्चे ने दम तोडा दिया। मां बाप का घटना के बाद रो रो के बुरा हाल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रावता राम पुत्र पूनमा राम जाति चौधरी निवासी मांडवला सायला गोल जालौर अपनी पत्नी इमरती अपने बच्चे भरत रुचिका वह चिराग के साथ शुक्रवार सुबह अपने घर से बेंगलुरु जाने के लिए फालना रेलवे स्टेशन पर अजमेर - मैसूर के कोच में सवार हुए थे। ट्रेन फालना रेलवे स्टेशन से रवाना होते ही तीनों बच्चे कोच में खेलने लगे। उस दौरान उन बच्चों का पिता लघुशंका के लिए गया हुआ था। वही माता बच्चों के साथ बैठी हुई थी। उसकी आंख लग गई। 9.30 बजे करीब ट्रेन केशव गंज स्टेशन पार करके पिंडवाडा रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ रही थी।

उन दोनों रेलवे स्टेशनों के बीच की कुछ ही दूरी पर उस दंपति का बच्चा चिराग अचानक आपात कालीन खिडकी से गिर गया। लोगों ने ट्रेन की खिडकी से बच्चा गिरता देख गाडी को चेन पुलिंग कर रूकवाया। गाडी रुकने पर चोट लगने से बच्चा लहूलुहान हालत में मिला। ट्रेन के लोको पायलट ने इस घटना की जानकारी रेलवे स्टेशन मास्टर को दी बाद में आरपीएफ के एसआई ओम प्रकाश चौधरी को दुर्घटना की जानकारी दी।

आरपीएफ के चौधरी किसी मदद का इंतजार किए बिना देर किए लहूलुहान हुए घायल चिराग को अपनी गोद में उठाकर अपनी बाइक पर बिठाकर राजकीय चिकित्सालय पिंडवाडा पहुंचे। जहां डॉ विनोद यादव ने घायल बच्चे का उपचार शुरू किया पर घायल बच्चे के शरीर में से अधिक खून बह जाने की वजह से स्थिति गंभीर नाजुक होने लगी और उपचार के दौरान ही चिराग ने दम तोड दिया।

सुजानगढ़ में मोर का शिकार करते हुए एक गिरफ्तार

सुजानगढ़ वन विभाग की टीम की गिरफ्त में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का आरोपी।

सुजानगढ़, (नि.स.) राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार के आरोप में वन विभाग ने एक जने को गिरफ्तार किया है। क्षेत्रिय वन अधिकारी ओकेश यादव ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में टीम ने कार्यवाही करते हुए गांव मुरडाकिया में राष्ट्रीय पक्षी नर मोर का शिकार करते हुए बिरजू बावरी को गिरफ्तार किया है।

- आरोपी बिरजू बावरी के कब्जे से एक गिलोल बरामद की

आरोपी के कब्जे से एक गिलोल बरामद की है। यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने के आदेश दिए गये। कार्यवाही के दौरान सहायक वनपाल मोहनलाल मारू, सहायक वनपाल महेन्द्रसिंह, वन रक्षक राकेश विश्नोई, वन रक्षक सुरेन्द्र भारी, केटलगार्ड सोहनलाल व भींवसिंह टीम में शामिल रहे। ज्ञात रहे कि वन विभाग की टीम द्वारा शिकारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 12 शिकारी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

राजस्थान में पिछले डेढ़ साल से कांग्रेस मृत पड़ी हुई है: देवनानी

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि उस कांग्रेस को कोई भी जिंदा नहीं कर सकता है, जो खुद अपने कर्मों से मरी पड़ी हुई है। जब गांधी परिवार की चापलूसी, युवा नेताओं की अनदेखी, कांग्रेस नेताओं की आपसी लड़ाई व फूट से कांग्रेसी बाहर नहीं निकलेंगे, तब तक कांग्रेस में जान फूंकने की बात बेमानी लगती है।

उदयपुर में शुक्रवार से शुरू हुए कांग्रेस के चिंतन शिविर पर प्रतिक्रिया देते हुए देवनानी ने कहा कि यह चिंतन शिविर कांग्रेस की स्थिति में सुधार करने के लिए नहीं, बल्कि उसे जिंदा रखने के लिए किया जा रहा है। असली बात तो यह है कि किसी समय देशभर में राज करने वाली पार्टी का वजूद ही अब खतरे में पड़ गया है और वह केवल दो राज्यों राजस्थान व छत्तीसगढ़ में सिमट कर रह गई है।

- देश भर में राज करने वाली पार्टी अब राजस्थान व छत्तीसगढ़ में सिमटी

देवनानी ने कहा कि राजस्थान में पिछल ेडेढ़ साल से कांग्रेस प्राय: मृत पड़ी हुई है। ना जिला इकाइयां हैं और ना ही मंडल व वार्ड इकाइयां। ऐसे में जब संगठनात्मक ढांचा और नेतृत्व नहीं है, तो कौन ऐसी नेतृत्वहीन पार्टी का साथ देगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को चिंतन शिविर के पहले दिन भी सारी चर्चाओं की धुरी गांधी परिवार ही रहा है। ऐसे में राजस्थान ही नहीं, देश भर के कमोबेश सभी कांग्रेस नेताओं ने गांधी परिवार के प्रति भक्ति और चापलूसी दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसमें कोई भी ल ंबे समय तक अध्यक्ष नहीं रहता है और सभी को योग्यता के आधार पर काम करने का मौका मिलता है।

देवनानी ने कहा कि गांधी परिवार की वाहवाही लूटने की खातिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरी सरकारी मशीनरी को झोंक दिया है। उन्होंने कहा कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं, जबकि जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाई जा रही है। कांग्रेस सरकार जनप्रतिनिधियों की आवाज पर अघोषित प्रतिबंध ल गा रही है। आमजन की आवाज उठाने के लि ए उदयपुर पहुंचे सांसद किरोडीलाल मीणा को बाहर निकाल ने की घटना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार की शह पर पुलि स द्वारा एक जनप्रतिनिधि को उदयपुर से बाहर किए जाने की घटना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा कुठाराघात है, इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी ही कम है।

राहुल गांधी ने ट्रेन से ही अभिनंदन स्वीकार किया

कपासन, (निसं)। राहुल गांधी उदयपुर में कांग्रेस चिंतन शिविर में शामिल होने दिल्ली से कपासन रेलवे स्टेशन मार्ग पहुंचने पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने नारेबाजी की आवाज सुनकर कोच के दरवाजे पर राहुल गांधी कुछ पल के लिए बाहर आकर हाथ हिलाकर कार्यकर्ताओं का अभिनंदन स्वीकार किया हालांकि राहुल गांधी रेलवे स्टेशन कपासन पर नहीं उतरे।

शुक्रवार को राहुल गांधी दिल्ली से ट्रेन द्वारा उदयपुर में कांग्रेस चिंतन शिविर में शामिल होने के जाते समय कपासन स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया कार्यकर्ताओं की आवाज सुनकर कुछ पल के लिए कोच के दरवाजे पर आकर हाथ हिलाकर अभिनंदन स्वीकार किया। इस अवसर प्रधान भेरूलाल चौधरी ने मेवाड़ी पगड़ी और महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के शंकर लाल प्रजापत ने उपरना देकर व राजीव सोनी आदि ने स्वागत किया। इस दौरान पूर्व प्रधान ओम प्रकाश व्यास सरपंच दिनेश खटीक पूर्व सरपंच बालूराम चित्तौड़िया श्यामसुंदर सोमानी भेरुलाल बारेगामा अशफाक तुरकिया अली गुड्डू खान सहित आदि उपस्थित थे।

कार-ट्रैलर की टक्कर में एक की मौत, तीन जने घायल

सुजानगढ़, (निसं)। हनुमानगढ़-किशनगढ मेगा हाईवे पर गनोडा चौराहे पर कार और ट्रैलर की टक्कर में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं तीन जने घायल हो गये। जानकारी के अनुसार सीकर जिले की लक्ष्मणगढ तहसील के गांव रोरू छोटी से कार में सवार चार युवक बीदासर तहसील के गांव गुंदूसर बारात में जा रहे थे। शुभम् पुत्र सुरेन्द्रसिंह , वीरम पुत्र जगदीशसिंह , चांदसिंह पुत्र शायरसिंह घायल हो गए।

गुलेरिया होटल के संचालक राकेश गुलेरिया ने टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार को हादसे के बारे में सूचना दी। जिसके बाद स्वर्णकार, एम्बूलेंस चालक नवरतन बिजारणिया, 108 के मनोहरसिंह, समन्दरसिंह, जगदीश मौके पर पहुंचे। दुर्घटना स्थल से महेन्द्र, राकेश व राकेश खीचड की सहायता से घायलों को 108 व निजी एम्बूलेंस की सहायता से राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉ. महेश महला, नर्स सुनीता स्वामी, रामनिवास ने घायलों का उपचार किया। उपचार के दौरान घायल जितेन्द्रसिंह ने दम तोड़ दिया। अन्य घायल चांद उर्फ जोगेन्द्रसिंह को सीकर रैफर किया गया। मृतक जितेन्द्र के शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। पवन बिजारणिया, भागीरथ जाट, लोकेश दर्जी, चंद्रप्रकाश सराफ, विनोद ने घायलों की मदद की।

- हनुमानगढ़-किशनगढ मेगा हाईवे पर हुआ हादसा

राहुल गांधी मध्यरात्रि के बाद अजमेर से गुजरे

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी उदयपुर चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए आज रात मध्य रात्रि को दिल्ली से उदयपुर जाने वाली चेतक एक्सप्रेस से रेलवे स्टेशन अजमेर से गुजरे रेलवे स्टेशन पर भारी सुरक्षा इंतजामों के बीच अजमेर जिला अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी रेलवे स्टेशन पहुंचे और राहुल गांधी की बोगी के बाहर राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाये।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव चेतन चौहान ने बोगी से बाहर आकर कांग्रेसियों को बताया कि राहुल गांधी सो गए हैं और आपकी भावनाओं को अवगत करा दिया जाएगा। कांग्रेसियों ने राहुल गांधी के लिए दुपट्टा साफा एवं भित्ति चित्र राष्ट्रीय सचिव चौहान को भेंट किया।

राष्ट्रीय सचिव चौहान को राहुल का दुपट्टा एवं भित्ति चित्र भेंट किया।

इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल, महेश चौहान, श्याम प्रजापति, नरेश सत्यावना, नोरत गुर्जर, विपिन वेसिल, अंकुर त्यागी, पार्षद नकुल खंडेलवाल, सैयद फैसल, मनीष सेठी, अजय गुर्जर, श्रवण टोनी, राजीव सिंह, कच्छावा ईश्वर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

- बडी संख्या में कांग्रेसी पहुंचे अजमेर रेलवे स्टेशन
- राहुल गांधी के सो जाने के कारण कांग्रेसी हुए निराश

46 ई-मित्र कियोस्क धारकों को दिये नोटिस

बांसवाडा, (निसं.)। जिले के सक्रिय ग्रामीण एवं शहरी ई-मित्र कियोस्क में से 5 प्रतिशत ई-मित्र कियोस्क 131 का औचक निरीक्षण किया गया। इसमें से 46 ई-मित्र कियोस्कों पर रेट लिस्ट, को ब्राण्डेड बैनर नहीं पाये गये जिनका राधारा एप में रेट लिस्टध्को-ब्राण्डेड बैनर उपलब्धता को नहीं मार्क किया गया एवं संबंधित कियोस्क धारक को निरीक्षणकर्ता द्वारा नोटिस देकर 3 दिवस में रेट लिस्ट चस्पा करने के लिए पाबंद किया।

साथ ही 11 ई-मित्र कियोस्क नागरिकों से राज्य स्तर से निर्धारित दर सूची से ज्यादा राशि लेते पाये गये जिनका नियमानुसार ऑवर चार्जिंग की शास्ति एक हजार एवं सात दिवस के लिए कियोस्क आईडी सस्पेंण्ड करने के आदेश जिला ई-मित्र सोसायटी एसीपी उपनिदेशक पदेन सचिव द्वारा जारी किये गये।

ई-मित्र सोसायटी एसीपी उपनिदेशक पदेन सचिव ने बताया कि जिन 11 ई-कियोस्क धारकों से शास्ति एक हजार एवं सात दिवस के लिए कियोस्क आईडी सस्पेण्ड की गई है उनमें पंचायत समिति सज्जनगढ के 7 कियोस्क धारक विकास कुमार पंचाल, मणीलाल, रोहित कलाल, भूपेन्द्र खज्जा, नरेश डामोर, कुतुबुदीन बोहरा एवं सुरेशचन्द्र तथा गढी पंचायत समिति क्षेत्र के शरद कुमार दोसी, परतापुर-गढी के अल्पेश शाह व अशोक कुमार यादव तथा बांसवाडा शहर के कियोस्क धारक दीपक शर्मा शामिल हैं।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिला तो दीवार पर चढ़ी युवती

परीक्षा केन्द्र पर देर से पहुंची युवती दीवार पर चढ़ गई जिसे यातायात पुलिसकर्मियों ने समझाकर उतारा।

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर में आयोजित हो रही कांन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में परीक्षा केंद्र पर शुक्रवार को 2 मिनिट देरी से पहुँचने के चलते दो युवतियों को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया । जिससे नाराज एक युवती केंद्र के अंदर प्रवेश को लेकर दीवार पर चढ़ गयी। युवती को दीवार पर चढ़ता हुआ देख मौके पर मौजूद यातायात पुलिस कर्मियों ने उसे दीवार से नीचे उतारा। दोनों युवतियां मौके पर ही भावुक हो गयी। वही परीक्षा से वंचित रही युवतियों ने देरी का कारण परीक्षा के प्रवेश पत्र में अंकित केंद्र का गलत नाम बताया। दोनों युवतियों का कहना है कि उन्हें परीक्षा को लेकर जो प्रवेश पत्र दिए गए है उनमे केंद्र का नाम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर लिखा गया है, जबकि जिले में संचालित इस स्कूल को स्थानीय लोग महाराणा राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के नाम से जानते है। ऐसे में जब परीक्षार्थियों द्वारा केंद्र के बारे में लोगो से जानकारी ली तो उन्हें उचित जानकारी समय रहते नहीं मिल पायी। जिसकी वजह से ये युवतियां परीक्षा केंद्र पर समय से दो मिनिट देरी से पहुँची और परीक्षा से वंचित रह गयी।

सेल्समैन की आंखों में मिर्ची झोंक दो लाख रुपये लूटे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बड़लियास थाना क्षेत्र में बदमाशों ने पेट्रोल पंप सेल्समेन की आंखों में मिर्च झोंककर लूट को अंजाम दिया। सवाईपुर-ढ लाणा के बीच नेशनल हाइवे पर हुई इस वारदात के दौरान बदमाश 2 लाख 8 हजार रुपये लूटकर ले जाने में सफल रहे। बता दें कि पुलिस बदमाशों को ढूंढने के बजाय, वारदात को दबाने का प्रयास करती रही, ताकि मीडिया तक इसकी जानकारी नहीं पहुंचे। जानकारी के अनुसार, ढेलाणा में स्थित मातेश्वरी फिलिंग स्टेशन पंप के सेल्समैन दलपत सिंह कैश जमा कराने के लिए बैग में 2 लाख 8 हजार रुपये रखकर बाइक से सवाईपुर स्थित बैंक के लिए रवाना हुआ ।

इस दौरान दलपत, नेशनल हाइवे पर सवाईपुर और ढेलाणा के बीच कपास फैक्ट्री के पास पहुंचा ही था कि एक अन्य बाइक उसके पीछे से आई। इस पर दो नकाबपोश सवार थे। बदमाशों ने चलती बाइक से ही दलपत की आंखों में मिर्च झोंक दी और बाइक की टंकी पर रखा बैग लूटकर फरार हो गये। इस बीच, आंखों में मिर्ची गिरने से दलपत सिंह बाइक सहित नीचे खाई में जा गिरा और बाइक सवार लूट को अंजाम देकर फरार हो गए। लूट की सूचना पर डीएसपी, बड़लियास व सवाईपुर चोकी पुलिस के साथ ही पेट्रोल पंप मालिक कानसिंह भी मौके पर पहुंचे।

हिरण्यकश्यप के 25 फीट के पुतले का वध होगा, 125 सालों से चली आ रही है परम्परा

नरसिंह जयन्ती आज, छप्पन भोग सजेगा, फूलबंगले के दर्शन होंगे, शहरभर में आयोजन होंगे

कोटा, (निसं)। वैशाख शुक्ल चतुर्दशी को नृसिंह जयंती शहर भर में धूमधाम से मनाई जाएगी। अलग-अलग संस्थाएं शहर भर में शनिवार को विभिन्न आयोजन करेंगी। अग्रवाल वैष्णव मोमीयां पंचायत के प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि विष्णु भगवान के चतुर्थ अवतार भगवान श्री नरसिंह जयन्ती का भव्य समारोह गांधी चौक रामपुरा पर आयोजित किया जाएगा।

यहां भगवान नरसिंह के स्वरूप द्वारा वध के समय दिन और रात का संध्याकाल सायं पर 6.45 बजे हिरण्यकश्यप के 25 फीट के पुतले का वध किया जाएगा। नरसिंह धर्माशाला के सचिव महेंद्र कुमार मित्तल ने बताया कि राम दरबार व शिवजी, हनुमान व भक्त प्रह्लाद की झांकी सजेगी। समारोह सांयकाल सूर्यास्त होते ही समय 6.45 बजे नृसिंह भगवान प्राकट्योत्सव होगा। इसके बाद हिरण्यकश्यपु का वध किया जाएगा। महाआरती के बाद ठंडाई व प्रसाद वितरण होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग के उपाध्यक्ष पंकज मेहता, कोटा उत्तर की महापौर मंजू मेहरा, कोटा दक्षिण के महापौर राजीव अग्रवाल, पार्षद सुनील वर्मा, सहवारित पार्षद चन्दू जैन, राजीव जैन होंगे। संस्था के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता के अनुसार यह परम्परा पिछले 125 वर्षों से चली आ रही है। पहले यह समारोह रामपुरा चौक में होता था। सन 1905 में दरबार द्वारा नरसिंह धर्मशाला के सामने (अभी गांधी चौक है) जगह उपलब्ध कराई।

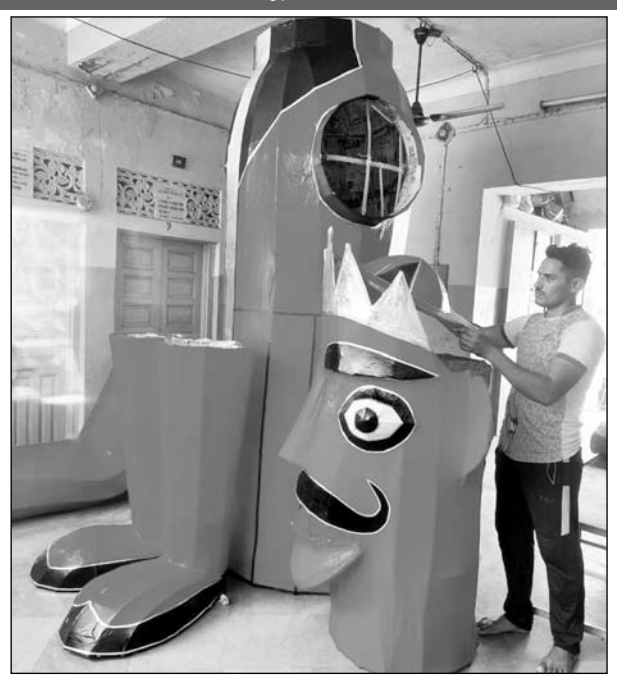

कोटा में हिरण्यकश्यप का पुतला तैयार करता कलाकार।

जबसे समाज द्वारा जनता के लिए समारोह आयोजित होता आ रहा है। जिसमें भगवान नरसिंह द्वारा हिरण्यकश्यपु के पुतले का वध किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आम लोग पुतले के कागज व लकड़ियां अपने घरों में ले जाकर घर के बाहर लगाते हैं। जिससे साल भर कोई विघ्न न हो। इसके बाद कई माताएं अपने छोटे-छोटे बच्चों को भगवान की गोद में देकर आशीर्वाद दिलाती हैं। मान्यता है कि जिससे बच्चे रात को डरते नहीं हैं और बीमारियों से मुक्त रहते हैं।

किशोरपुरा दरवाजे पर स्थित प्राचीन नरसिंह मन्दिर के पुजारी मयंक शर्मा ने बताया कि नरसिंह जयन्ती के अवसर पर नीलकंठ महादेव मंदिर के पास सुबह 7 बजे भगवान का पंचामृत से महाअभिषेक, दिन में 3 बजे से शृंगार, छप्पन भोग व फूल बंगला के दर्शन होंगे। वहीं शाम 4 बजे सुंदरकांड पाठ और सांय 7.30 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण होगा।

रणथम्भौर में शुक्रवार को बाघिन टी-61 की मौत हो गई, वन विभाग के कर्मचारियों को जंगल के ज़ोन नम्बर-7 से बाघिन का शव मिला। रणथम्भौर अभयारण्य के अधिकारियों का कहना है कि इसकी मौत संभवतः किसी ऊंची चट्टान से गिर जाने से हुई है। बाघिन टी-61 को जन्म के बाद पहली बार वर्ष 2011 में देखा गया था।

350 कश्मीरी पंडितों ने सरकारी सेवा से सामूहिक इस्तीफा दिया

जैसा कि विदित है कि, आतंकियों ने ऑफिस में घुसकर राजस्व विभाग में क्लर्क राहुल भट की हत्या कर दी थी , कश्मीरी पंडित इस घटना के विरोध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं

श्रीनगर 13 मई (वार्ता)। कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या की हत्या के विरोध में, बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भट की हत्या के विरोध में 350 कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को अपना इस्तीफा भेज दिया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भेजे गए इस्तीफे में इन कर्मचारियों ने कहा है कि वे राहुल भट की हत्या के बाद खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनके पास सामूहिक इस्तीफा देने के अलावा कोई चारा नहीं है। ये सभी कश्मीरी पंडित प्रधानमंत्री पैकेज के कर्मचारी हैं। राहुल भट की हत्या से गुस्साए कश्मीरी पंडितों का कहना है कि उनको निशाना बनाकर लगातार उन पर हमले हो रहे हैं और सरकार उन्हें सुरक्षा देने में नाकाम रही है।

शुक्रवार को कश्मीरी पंडितों की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे कश्मीरी पंडितों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। जैसा कि विदित है कि, बडगाम जिले के चदूरा में राजस्व विभाग के एक अधिकारी एवं कश्मीरी पंडित राहुल भट की गुरुवार को उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी मौत को लेकर विभिन्न स्थानों पर विरोध हुआ और व्यापक निंदा हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि, पुलिस ने बडगाम जिले से श्रीनगर एयरपोर्ट रोड की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे कश्मीरी पंडितों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के जीवन की रक्षा करने में कथित विफलता के लिए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की।

इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। जम्मू में शुक्रवार को भट का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर भारी भीड़ मौजूद थी। इस बीच उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सरकारी क्वार्टरों में रहने वाले कश्मीरी पंडितों ने भी हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं सहित प्रदर्शनकारी कुपवाड़ा-श्रीनगर हाईवे पर जमा हो गए और भट के हत्यारों के खिलाफ नारेबाजी की। एक प्रदर्शनकारी ने पूछा, हम जानना चाहते हैं कि हमें क्यों निशाना बनाया जा रहा है और हमारी क्या गलती है।

भट की हत्या पिछले आठ महीनों में कश्मीर में प्रवासी कामगारों और स्थानीय अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की श्रृंखला में सबसे ताजी घटना है। इस साल घाटी में अल्पसंख्यक समुदाय के किसी सदस्य पर यह तीसरा हमला है। इससे पहले गत 13 अप्रैल को कुलगाम में एक राजपूत सतीश कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गत चार अप्रैल को शोपियां जिले में आतंकवादी हमले में एक कश्मीरी पंडित बाल कृष्ण घायल हो गए थे। इस बीच, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट किया, कश्मीर के लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं है।

अगर उप-राज्यपाल की सरकार कश्मीरी पंडितों की रक्षा नहीं कर सकती है, तो लोगों को विरोध करने का अधिकार है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, पर्यटन की सामान्य स्थिति नहीं है, यह आर्थिक गतिविधि का बैरोमीटर है। कश्मीर आज सामान्य स्थिति से बहुत दूर है।

सुब्रतो रॉय की गिरफ्तारी पर स्टे

नई दिल्ली,13 मई (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने ''सहारा इंडिया'' प्रमुख सुब्रत रॉय को पटना उच्च न्यायालय में पेश करने के लिए पुलिस को जारी आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुब्रत रॉय के खिलाफ इस मामले में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगाने का आदेश पारित किया।

उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली सुब्रत राय की याचिका

- **पटना हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ही सहारा प्रमुख सुब्रतो रॉय को गिरफ्तार कर पेशी का आदेश दिया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी।**

पर सुनवाई के बाद पीठ ने कहा, इस स्तर पर हम पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हैं।

सहारा इंडिया द्वारा कथित धोखाधड़ी से संबंधित 2,000 से अधिक मामलों की सुनवाई के बाद पटना उच्च न्यायालय ने आज ही यह आदेश पारित किया था। सहारा इंडिया पर हजारों निवेशकों के पैसे वापस नहीं करने के आरोप हैं। उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद सुब्रत राय अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे।

रणथंभौर में बाघिन टी-61 का शव मिला

- **बाघिन टी-61 की मौत प्रथम दृष्टया किसी ऊंची चट्टान से गिरने की वजह से हुई।**

सवाई माधोपुर, 13 मई (निस)। रणथंभौर में शुक्रवार को बाघिन टी 61 की मौत हो गई।

रणथंभौर के जोन नम्बर 7 के जामोदा वन क्षेत्र में बाघिन का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया।

बाघिन की मौत की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में कर राजबाग नाका वन चौकी पहुंचाया, जहां वन एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में रणथंभौर के पशु चिकित्सकों ने उसके शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। वनाधिकारियों के अनुसार बाघिन टी 61 की मौत प्रथम दृष्टया किसी ऊंची चट्टान से गिरने की वजह से हुई है, हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पायेगा ।

जानकारी के अनुसार बाघिन टी-61 को जन्म के बाद पहली बार 2011 में देखा गया था। ये बाघिन टी-8 (लाडली) व बाघ टी-34 (कुम्भा) की बेटी है। इसकी टेरेटरी जोन 7 व 8 में ही रही है। बाघिन लगभग 12 साल की है। हाल ही में वह बाघ-58 के साथ थी।

यू.ए.ई. के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अबू धाबी के शासक के रूप में सेवाएं दे रहे थे। राष्ट्रपति से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने शेख खलीफा के निधन पर 40 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी मंत्रालय, विभाग, संघीय व स्थानीय संस्थान शुक्रवार से काम करना बंद कर देंगे। शेख खलीफा ने अपने पिता मरहूम शेख जायद बिन सुल्तान अल नाह्यान की जगह ली थी, जिन्होंने 1971 में अमीरात के अस्तित्व में आने के बाद 2 नवंबर 2004 को अपने निधन तक संयुक्त अरब अमीरात के पहले राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं दी थीं।

तीर्थयात्रियों की बस में आग लगी

जम्मू, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित कटरा से माता वैष्णो देवी के मंदिर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस में आग लगने से कम से कम चार यात्रियों के मारे जाने की आशंका है जबकि 20 से अधिक घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस कटरा से जम्मू की ओर जा रही थी, तभी नोमेन से कुछ

- **इस दुर्घटना में 4 लोग ज़िंदा जले व 20 अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये।**

किलोमीटर दूर उसमें आग लग गई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट कर कहा,कटरा में बस दुर्घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद अभी जम्मू-कश्मीर के रिआसी की डिप्टी कमिश्नर बबीला रकवाल से बात की। हताहतों के बारे में जानकारी ली गई और घायलों को नारायणा अस्पताल में भर्ती कराया।

राहुल दूसरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायक रामकेश मीणा सहित काफी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गंगापुर सिटी स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन राहुल गांधी दूसरे रूट से उदयपुर चले गए। राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी मेवाड़ एक्सप्रैस की बजाय दूसरी ट्रेन से अलवर होते हुए उदयपुर पहुंचे, जहां उन्हें चिंतन शिविर में भाग लेना था।

मोहाली में इन्टैलीजैंस ब्यूरो के दफ्तर पर रॉकेट हमले में आई.एस.आई. का हाथ था

पंजाब पुलिस ने कहा कि, इसका मुख्य साजिशकर्ता कैनेडा में बसा लखवीर सिंह लांडा है

चंडीगढ़, 13 मई (वार्ता)। पंजाब के मोहाली स्थित प्रदेश खुफिया पुलिस मुख्यालय पर नौ मई को रॉकेट के जरिये ग्रनैड हमले का मुख्य साजिशकर्ता कैनेडा में बसा गिरोहबाज लखवीर सिंह लांडा है।

यह जानकारी आज पुलिस महानिदेशक वीके भावरा ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि, हमले की साजिश लांडा ने पाकिस्तान की आई.एस.आई. के करीबी हरविंदर सिंह रिंदा के साथ मिलकर रची थी। उन्होंने बताया कि, घटना बब्बर खालसा इंटरनैशनल और गिरोहबाजों ने मिलकर की है और उन्हें आई.एस.आई. की मदद हासिल थी।

- **पंजाब पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को देश के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया है।**
- **घटना बब्बर खालसा इंटरनैशनल और गिरोहबाजों ने मिलकर की है और उन्हें आई.एस.आई. की मदद हासिल थी।**

उन्होंने कहा कि हमले की जांच काउंटर इंटेलिजेंस ने की और हमले के पीछे सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि हमले में पांच गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और बाकी तीन, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल थे, को भी जल्दी गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपियों में जगदीप कांग, कंवर बाथ, बलजीत कौर, आनंद दीप सोनू और बलजिंदर सिंह रैंबो शामिल हैं। इनमें जगदीप कांग को छोड़कर सभी तरण तारण से हैं। कांग मोहाली से बताया जाता है और आरोप है कि हमलावर उसके साथ रुके थे। कांग ने ही चढ़त सिंह के साथ मिलकर रेकी की थी।

एक सवाल कि खुफिया पुलिस मुख्यालय को निशाना बनाने का क्या कारण था, के जवाब में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पुलिस व सैन्य ठिकाने आतंकियों के निशाने पर होते ही हैं।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि लांडा, जो मूल रूप से तरण तारण से है और 2017 में कनाडा में जा बसा, तरण तारण के ही निशान सिंह से संपर्क में था। निशान सिंह को दो दिन पहले किसी और मामले में फरीदकोट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक और आरोपी है चढ़त सिंह, जो तरण तारण से है।

'पार्टी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके उद्घाटन भाषण के अनुसार शिविर के अधिकांश भाग में मोदी को कोसने की उम्मीद है और कुछ चर्चा संगठन पर और इस पर कि पार्टी को आगे बढ़ना है तथा उस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए बदलाव करने हैं।

उम्मीद है कि राहुल, अधिकाधिक युवा लोगों को संगठन में शामिल करने का दबाव बनाना जारी रखेंगे और यही उन सीनियर और युवा नेताओं के बीच की दु:खती रग है जिन्हें राहुल गांधी द्वारा प्रमोट किया जा रहा है।

राहुल सत्र के समापन वाले दिन, 15 मई को बोलेंगे। इस दिन सी.डब्ल्यु.सी. की भी मीटिंग होगी जिसमें सबजैक्ट्स कमेटीज़ की सिफारिशों की पुष्टि की जाएगी। सबजैक्ट्स कमेटीज़ की आज मीटिंग हुई थी और ये अपने विचार-विमर्श कल भी जारी रखेंगी।

शिविर में भविष्य के रोड मैप के रूप में और इसे लेकर कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए पार्टी को स्वयं को किस तरह से तैयार करना है, के बारे में एक घोषणा पत्र लाया जाएगा।

कमेटी की सिफारिशें...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वही यहां यह भी कहा गया है कि जो लोग पद पर रहकर बेहतर काम करेंगे उन्हें पारितोषिक दिया जाना चाहिए, वही जो लोग काम नहीं करते उन्हें अलग कर देना चाहिए। संगठन की इस कमेटी ने पार्टी में अनुशासन को भी कड़ाई से लागू करने की बात कही है।

माकन ने कहा कि इस बात की भी सिफारिश की गई है कि ने पार्टी में लगातार 5 साल तक एक ही पद पर काम करने के बाद किसी को लगातार वह पद नहीं दिया जाए। कम से कम 3 साल का कूलिंग पीरियड रहे। तीन साल के गैप के बाद ही आगे कोई पद दिया जाए। हालांकि यह नियम सिर्फ संगठन स्तर पर ही लागू होगा। सांसद-विधायक या किसी भी रूप में चुनाव जीत कर आने वाले जनप्रतिनिधि पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसे लेकर माकन ने कहा- क्योंकि इनका चुनाव सीधे जनता करती है। दरअसल, कांग्रेस नेता के परिवार के किसी दूसरे सदस्य को टिकट तभी दिया जाएगा, जब वह पांच साल से एक्टिव हो, यदि कोई नया सदस्य कांग्रेस में आता है तो उसे पहले 5 साल संगठन में काम करना होगा, उसके बाद ही टिकट मिलेगा। वहीं यह भी तय किया है कि अब पैराशूट उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। हालांकि यह बात खुद राहुल गांधी ने कांग्रेस अधिवेशन में भी कही थी लेकिन उसके बाद बड़ी संख्या में पैराशूटी उम्मीदवार चुनाव में उतारे गए थे। उस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष रहे कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ को, जहां टिकट दिए गए थ, वहीं हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा के दबाव में दीपेंद्र हुड्डा को राज्यसभा भेजना पड़ा था। इन बड़े उदाहरण के अलावा बहुत से उदाहरण है, जहां कुछ दबंग परिवारों के दो या तीन लोग लगातार दबाव की राजनीति करके पद या टिकट हासिल करते रहे हैं। संगठन स्तर पर और बड़े बदलाव की बात करते हुए माकन ने कहा कि पार्टी में अब यह भी विचार किया जा रहा है कि बूथ और ब्लॉक लेवल के बीच 3 से 5 मंडल बनाए जाएं, ताकि बूथ स्तर की कमेटी और ब्लॉक कमेटी के बीच जो फासला है, उसमें कार्यकर्ताओं का समावेश ज्यादा हो सके।

कश्मीर में आतंकियों के मददगार प्रोफैसर सहित तीन कर्मचारी सेवा से बर्खास्त

ये कर्मचारी आतंकियों के लिए ग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे तथा उनको हर प्रकार की मदद दिया करते थे

श्रीनगर, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने आतंकवादियों से साथ कथित तौर पर ताल्लुक रखने के लिए कश्मीर यूनिवर्सिटी (के.यू) के एक प्रोफेसर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान सहित अपने तीन कर्मचारियों को शुक्रवार को बर्खास्त कर दिया। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

- **बर्खास्त कर्मचारियों में कश्मीर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल शिक्षा विभाग के एक शिक्षक मोहम्मद मकबूल हजाम और चयन ग्रेड कांस्टेबल गुलाम रसूल शामिल हैं।**
- **वहीं एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने बडगाम में मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार दिया।**

बर्खास्त कर्मचारियों में कश्मीर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल शिक्षा विभाग के एक शिक्षक मोहम्मद मकबूल हजाम और चयन ग्रेड कांस्टेबल गुलाम रसूल शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन कर्मचारियों को कथित तौर पर आतंकवादियों से संबंध रखने और विभिन्न संगठनों के आतंकवादियों के सहयोगियों (ओवर ग्राउंड वर्कर) के रूप में काम करने के लिए बर्खास्त किया गया है।

उन्होंने कहा, देश के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत मामलों की जांच और सिफारिश करने के लिए नामित समिति ने तीन कर्मचारियों को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश की है।

इन प्रावधानों के तहत सरकारी कर्मचारियों को तभी बर्खास्त किया जा सकता है, जब राष्ट्रपति या उपराज्यपाल इस बात से संतुष्ट हों कि देश की सुरक्षा के हित में इस तरह की जांच करना व्यावहारिक नहीं है। बर्खास्त कर्मचारियों के पास एकमात्र रास्ता बचता है कि वे सरकार के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दें। वहीं दूसरी ओर आतंकियों के खिलाफ एक और कामयाबी हासिल करते हुये। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। बांदीपोरा में पिछले दो दिनों में यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 11 मई को जिले के सालिंदर वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक स्थानीय आतंकवादी मारा गया था।

जिस होटल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए आवेदन किया। जब वर्ष 2017 में यूआईटी सचिव ने भूमि रूपांतरण की स्वीकृति नहीं दी तो संभागीय आयुक्त के एक आदेश की आड़ में सरकार ने स्वीकृति किस आधार पर दी समझ से बाहर है। होटल निर्माण की फाइल प्रकिया के तहत लगनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सारी प्रकियाओं को ताक में रखकर होटल निर्माण की अनुमति प्रदान करा दी, इसमें मुख्यमंत्री के ओएसडी की अहम भूमिका रही है। इससे स्पष्ट है कि इस होटल के गहलोत परिवार के आर्थिक सम्बन्ध है। यह रास्ता जो चौड़ा करके बनाया है, वह होटल के राजस्व रिकार्ड में अब भी दर्ज नहीं है। आज भी यह नदी है। उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी सारे कानूनों को ताक में रखकर सीएमओ के निर्देश के बाद यूआईटी सचिव उज्जवल राठौड़ ने 2019 में गैर कानूनी रूप से नदी मार्ग का होटल निर्माण के लिए भूमि का रूपांतरण कर दिया।

इस होटल से पीछे जुड़ती हुई बिलानाम (सरकारी) भूमि पर होटल मालिक ने अतिक्रमण कर लिया। जबकि यहां गोगमाल गांव का बोजडा नाका नाई पर वन विभाग सालों से वृक्षारोपण कर रहा था।

उन सारे पेड़ों को होटल मालिक ने काट दिया और जमीन को अपने कब्जे में होटल का विस्तार कर दिया और 250 करोड़ की होटल का नक्शा होटल मालिक ने गैर कानूनी रूप से सम्बन्धित ग्राम पंचायत से वर्ष 2012 में पास करवाया। वर्ष 2012 से 2014 तक कोई निर्माण नहीं कराए जाने के कारण ग्राम पंचायत की स्वीकृति का आदेश स्वत: ही निष्प्रभावी हो गया। वैसे अकेली ग्राम पंचायत इतनी बडी होटल के निर्माण की स्वीकृति के लिए अधिकृत नहीं थी। इसके लिए एक कमेटी निर्णय करती है। वर्ष 2014 में यह क्षेत्र उदयपुर के पैरीफेरी में आ गया। होटल का नक्शा वैध नहीं है फिर भी होटल का निर्माण करा दिया गया।

किरोड़ी ने कहा कि मैं उदयपुर में कांफ्रेंन्स करना चाहता था। लेकिन मुझे पत्रकार वार्ता ही करने दी गई। मुझे उदयपुर से गिरफ्तार कर दूसरी जगह छोड़ दिया। इसीलिए मुझे पत्रकार वार्ता जयपुर में करनी पड़ी।

दिल्ली में आग, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूचना शाम 4 बजकर करीब 40 मिनट पर मिली जिसके बाद दमकल की 24 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

पुलिस ने कहा कि, इमारत से निकाले गए 9 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने कहा कि आग मुंडका मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर 544 के पास स्थित इमारत में लगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और इमारत में फंसे लोगों को खिड़की के शीशे तोड़कर निकाला गया तथा घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग से 26 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मौत का आंकड़ा अभी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने कहा कि, शुरुआती जांच में पता चला है कि 3 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में कंपनियों के दफ्तर हैं। उनके मुताबिक, आग इमारत की पहली मंजिल से लगनी शुरू हुई जहां सी.सी.टी.वी. कैमरा और राउटर निर्माता कंपनी का कार्यालय है। पुलिस ने कहा कि, कंपनी का मालिक पुलिस की हिरासत में है। उन्होंने कहा कि, स्थिति पर काबू पाने की कोशिश चल रही है और राहत कार्य भी लगातार जारी है। पुलिस ने कहा कि, दमकल कर्मी मौके पर हैं और स्थिति को नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हैं। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर में मौजूद एक फैक्ट्री से शुरू हुई जिसमें सी.सी.टी.वी. कैमरा और राउटर जैसी चीजों का निर्माण होता है।

निजी आकांक्षाओं को पार्टी हित के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी ने स्वागत भाषण में एक बार फिर वही बातें दोहराई, जो उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में की थी। यानी कि उन्होंने लंबे समय से पार्टी में पदों पर जमे नेताओं से एक तरह से अपील की है कि ''वे लंबे समय से पार्टी के नाम से बहुत कुछ हासिल करते रहे हैं, लेकिन अब कर्ज उतारने का समय है। समय आया है कि हमें संगठन हितों के अधीन काम करना होगा। सबसे आग्रह है कि खुलकर अपने विचार रखें, मगर बाहर एक ही संदेश जाना चाहिए संगठन की मजूबती, मजबूत निश्चय और एकता।''

कांग्रेस को चुनावों में लगातार मिल रही लगातार हार को लेकर चिंतन के बीच सोनिया गांधी ने कहा कि ''हमें मिली विफलताओं से हम बेखबर नहीं हैं। संघर्ष और कठिनाइयों से हमें आगे जाना है। लोगों की उम्मीदों से हम

- **सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि, वे असाधारण परिस्थितियों और विफलताओं से अनजान नहीं, सख्त सुधारों की जरूरत है, जो अब टाले नहीं जा सकते।**
- **कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों के साथ समझौते जारी रखेगी, जो संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।**

अनजान नहीं है। हमें यह प्रण लेने इकट्ठा हुए हैं। हम आत्मनिरीक्षण कर रहे हैं। यह तय करें कि यहां से निकलें तो एक नए आत्मविश्वास और कमिटमेंट से प्रेरित होकर निकलेंगे।

पार्टी के अंदर बन रही परिस्थितियों और जनता के बीच वर्तमान में कांग्रेस की अस्वीकार्यता पर उन्होंने यह भी कहा कि ''आज पार्टी के सामने असाधारण परिस्थितियां हैं। असाधारण परिस्थितियों का मुकाबला असाधारण तरीके से ही किया जा सकता है। हर संगठन को जीवित रहने और आगे के लिए भी अपने अंदर पैनापन लाना होता है। हमें सुधारों की सख्त जरूरत है। हमें रणनीतिक बदलाव, ढांचागत सुधार और रोजाना काम करने के तरीके में बदलाव करना है, जो सबसे बुनियादी मुद्दा है। हमारा उत्थान सामूहिक प्रयासों से ही हो पाएगा। ये प्रयास आगे टाले नहीं जा सकते।''

उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार को लेकर कहा कि वह देश में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही है। अल्पसंख्यकों को डराया जा रहा है। धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है, जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश की जा रही है, जिसमें पंडित नेहरू के योगदान और देश के लिए किए गए त्याग को योजनाबद्ध तरीके से कम करके दिखाने का प्रयास हो रहा है। ये लोग महात्मा गांधी के हत्यारे का महिमामंडन कर रहे हैं और गांधी के सिद्धांतों को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा- देश के पुराने मूल्यों को खत्म किया जा रहा है। दलित आदिवासी और महिलाओं में असुरक्षा का माहौल है। देश में डर का माहौल बनाया जा रहा है। भाजपा देश में लोगों को लड़ाने का लगातार प्रयास कर रही है।

इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यूपीए सरकार के समय में इसका ध्यान रखा जाता था कि लोग क्या कहेंगे। आज ये लोग धर्म के नाम पर देश पर काबिज हो गए हैं। धर्म जाति ऐसी चीज है कि आप दंगे भड़का सकते हैं। अब राजस्थान तो टारगेट में नंबर वन है। दंगाई का, सीबीआई, ईडी का छापा शुरू हो जाता है। इनके लोग दूध के धुले हैं, इन पर कोई छापा नहीं पड़ता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मेजबान के नाते सभी का स्वागत किया।

इससे पहले मीडिया से बात करते हुए राजनीतिक सुधारों को लेकर पार्टी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान हालातों में कांग्रेस समान विचारधारा वाले उन राजनीतिक दलों के साथ समझौते जारी रखेगी जो संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।

नीट पी.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीजी-2022-23 परीक्षा कोविड की विध्वंसकारी वैश्विक महामारी के कारण हुए तीन वर्षों के व्यवधान के बाद 21 मई को आयोजित हो रही है।

जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक बैंच ने यह टिप्पणी करते हुए कि नीट पीजी की परीक्षा में पहले ही चार महीने का विलम्ब हो चुका है और देश के अस्पतालों में की सीनियर रेजिडैन्ट डॉक्टर्स के सिर्फ दो बैच ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, कहा कि इससे और विलम्ब होने के गंभीर परिणाम निकलेंगे और अस्पतालों में रोगियों की देखभाल पर क्रमिक रूप से असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं 21 मई को परीक्षा आयोजित करने का निर्णय एक नीतिगत निर्णय है जिसमें अदालतों द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की बहुत कम संभावना है। हस्तक्षेप तभी किया जा सकता है, जबकि इसमें प्रथम दृष्टया कोई कानूनी त्रुटि या विवाद हो।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

इस मई, पाएँ शानदार ऑफ़र्स.

अपनी पसंदीदा मारुति सुज़ुकी एरीना कार आज ही घर लाएँ.

बड़ी बचत

WAGONR ₹38 100* | **ALTO ₹21 100*** | **S-PRESSO ₹28 100*** | **VITARA BREZZA ₹17 500*** | **DZIRE ₹18 100*** | **SWIFT ₹21 100*** | **CELERIO ₹33 100*** | **EECO ₹28 500***

ऑफर सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO S-PRESSO ERTIGA VITARA BREZZA DZIRE SWIFT CELERIO EECO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: SAWAI MADHOPUR: PREM MOTORS PVT. LTD.: SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU**:** CALL: 8058794032. KOTPUTLI**:** CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL**:** CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR**:** CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE**:** CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION**:** CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL**:** CALL: 02969-222438, 9680059999. RANIWARA: CALL: 9116124669, 9929244403. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 0291- 2630478 / 79 / 80, 8094011151. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.0L Petrol & AGS- all variants), Alto (Petrol- all variants except STD), S-Presso (Petrol & AGS- all variants), Vitara Brezza (all variants), Dzire (Petrol & AGS- all variants), Swift (Petrol & AGS- all variants), Celerio (Petrol & AGS- all variants) and Eeco (Petrol- all variants except ambulance). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st May 2022 or till stocks last, whichever is earlier.

राष्ट्रदूत दिल्ली, 14 मई, 2022